हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 6 जुलाई 2025

12 पानी छोड़ते ही टूटा धोतड़-खारिया खरीफ चैनल...

12 सांसद बराला ने सरपंचों के साथ की विकास कार्य पर चर्चा

खबर संक्षेप

सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ की बैठक, हड़ताल को समर्थक

टोहाना। सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ ब्लाक की बैठक उप प्रधान दिलबर अली की अध्यक्षता में सैनिक कैंटीन भवन में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन ब्लॉक सचिव लाभ सिंह हरी ने किया। इस दौरान 9 जुलाई को को सीटू के आह्वान पर देशव्यापी हड़ताल का समर्थन करने व 15 जुलाई को सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ द्वारा पूरे भारत में उपायुक्त कार्यालय के सामने अपनी मांगों के लिए एक दिवसीय धरना देकर ज्ञापन सौंपे जाएगे।

नई कार्यकारिणी को लेकर बैठक आज

सिरसा। अग्रवाल सभा के कार्यकारी प्रधान अश्वनी बंसल ने बताया कि अग्रवाल सभा की नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर आगामी 6 जुलाई को श्री अग्रवाल सेवा सदन में आवश्यक बैठक बुलाई गई है। उन्होंने बताया कि बैठक की अध्यक्षता श्री तारा बाबा कुटिया के मुख्य सेवक गोबिंद कांडा करेंगे। उन्होंने बताया कि मीटिंग में सभा की आगामी कार्यकारिणी के लिए पदाधिकारियों के नामों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने सभी अग्र समाज के बंधुओं का आह्वान किया कि वे तय समयानुसार मीटिंग में पहुंचें।

5 किलो चूरापोस्त सहित तस्कर गिरफ्तार

सिरसा। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस ने गश्त व चेकिंग के दौरान गांव भंगू क्षेत्र से बाइक सवार व्यक्ति को 5 किलो चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी धर्मबीर सिंह ने बताया कि पकड़े गए तस्कर की पहचान कृष्ण कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव भंगू क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को बाइक सवार एक व्यक्ति आता दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर वापस मुड़कर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने उसे काबू कर 5 किलो चूरापोस्त बरामद किया ।

आठ युवक नशा करते दबोचे, हेरोइन बरामद

डबवाली। पुलिस ने नशेडिय़ों व नशा तस्करों पर कार्रवाई करते हुए आठ लोगों को 6 ग्राम 42 मिलीग्राम हेरोइन सहित पकड़ा है। सीआईए डबवाली प्रभारी राजपाल ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि अलीकां रोड पर एक व्यक्ति अपने घर के पास लोगों को नशा करवाता है। पुलिस ने सूचना के आधार पर मौके पर दबिश देकर नशा कर रहे आठ लोगों को दबोच लिया। पुलिस ने तलाशी ली तो उनके कब्जे से 6 ग्राम 42 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान, सुभाष, जसप्रीत सिंह, बलबीर सिंह, शमिंदर, गौरव, सुनील, शुभम व चरणजीत सिंह के रूप में हुई है।

केन्द्रीय विद्यालय में सांप दिखने से मचा हडकंप

फतेहाबाद। गांव बड़ोपल स्थित केंद्रीय विद्यालय में शनिवार को एक सांप दिखने से विद्यालय कैम्पस में हडक़ंप मच गया। जिस समय सांप देखा गया, उस समय कक्षाओं में पढ़ाई चल रही थी। परिसर में मौजूद बच्चों में भय का माहौल बन गया। बाद में सांप टूटे पेड़ के नीचे छुप गया। इसी बीच प्रिंसिपल ने स्टाफ सदस्यों को बच्चों को ऊपर की बिल्डिंग पर भेजने के निर्देश दिए। फिर स्कूल प्रशासन ने तुरंत स्नेक कैचर को मौके पर बुलाया। इसके बाद स्नेक कैचर पवन जोगपाल स्कूल में पहुंचे और बेहद सावधानी बरतते हुए सांप को पकड़ लिया। पकड़े गए सांप को सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया। पवन जोगपाल के अनुसार, वहां दो सांप की सूचना थी, जिनमें से एक सांप पकड़ लिया है। दूसरा सांप शायद स्कूल परिसर से खुद ही निकल गया।

इस महीने शुरू होगा महादेव का प्रिय महीना सावन, चार सोमवार होगा विशेष पूजन

जुलाई के 31 दिन में 21 त्योहार और व्रत, तीज, नाग पंचमी पर होगी महादेव की पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। श्री श्याम मंदिर।

जुलाई के 31 दिनों में 21 त्योहार और व्रत होंगे। भगवान शिव का प्रिय महीना सावन भी 11 जुलाई से शुरू होगा। जिसमें देवादि देव महादेव की उपासना का विशेष महत्व है। इस बार सावन में चार सोमवार होंगे, जबकि 27 जुलाई को सुहागिनों के लिए प्रिय हरियाली तीज भी है, जिसे महिलाएं बहुत ही उत्साह के साथ मनाती है। शास्त्रानुसार नागों की पूजा की परंपरा भी है, जिसका व्रत नाग पंचमी पर 29 जुलाई को है। यानी कि यह महीना धर्म के लिहाज से विशेष है। जिसमें हर प्रकार के लोग अपने-अपने साधकों की पूजा और उपासना कर सकते हैं। त्योहारों में परिवार के साथ आनंद उठा सकते हैं। श्री श्याम मंदिर फतेहाबाद के पुजारी पंडित सोनू शर्मा के अनुसार जुलाई में सावन मास की शुरुआत होगी।

जुलाई माह में पड़ रहे पर्व और व्रत

- 3 जुलाई : इस दिन मासिक दुर्गाष्टमी है।
- 6 जुलाई : देवशयनी एकादशी और गौरी व्रत है।
- 7 जुलाई : देवशयनी एकादशी व्रत के लिए पारण का दिन है।
- 7 जुलाई : इस दिन पर वासुदेव द्वादशी भी मनाई जाएगी।
- 8 जुलाई : मौम प्रदोष व्रत है।
- 10 जुलाई : इस दिन आषाढ़ गुरु पूर्णिमा का पर्व है।
- 11 जुलाई : इस दिन पवित्र माह सावन की शुरुआत होगी।
- 14 जुलाई- इस दिन गजानन संकष्टी चतुर्थी है।
- 15 जुलाई : मंगला गौरा व्रत
- 16 जुलाई : कर्क संक्रान्ति है।
- 17 जुलाई : कालाष्टमी और मासिक कृष्ण जन्माष्टमी।
- 21 जुलाई : एकादशी और रोहिणी व्रत है।
- 22 जुलाई : मौम प्रदोष व्रत।
- 23 जुलाई : मासिक शिवरात्रि है, कावड़ यात्रा का जल चढ़ेगा।
- 24 जुलाई : हरियाली अमावस्या है।
- 27 जुलाई : हरियाली तीज है।
- 28 जुलाई : विनायक चतुर्थी है।
- 29 जुलाई : नाग पंचमी है।
- 30 जुलाई : कल्की जयन्ती और स्कन्द षष्ठी है।
- 31 जुलाई : तुलसीदास जयंती है।

सावन महीना पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष

हिंदू धर्म में सावन का महीना खास माना जाता है। हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष होता है। पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि जुलाई का महीना सभी महीनों में से सबसे खास माना जाता है। इसी महीने से सावन के पवित्र महीने की शुरुआत होगी। जुलाई अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार सातवां महीना है, जबकि हिंदू कैलेंडर के अनुसार यह चौथा है। इसे आषाढ़ माह के नाम से जाना जाता है। इस माह में गुप्त नवरात्र, प्रदोष व्रत, सावन सोमवार और योगिनी एकादशी, विनायक चतुर्थी समेत कई त्योहार मनाए जाने वाले हैं।

फतेहाबाद से बादल खफा : मानसून की बारिश को तरसे लोग, उमस और पसीने ने किया तर-बतर

शनिवार को सुबह से ही बिजली के कट लगने से मचा हाहाकार, डिमांड बढ़ने से पावर हाऊस की फ्रीक्वेंसी डाउन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। बिजली घर में फ्रिक्वेंसी दिखाता मीटर व 33 केवी सिटी सब स्टेशन।

जुलाई माह को एक सप्ताह बीतने को है लेकिन अभी तक बारिश की एक बूंद नहीं पड़ी। बीते जून माह की 26 तारीख को यहां प्री मानसून की खूब बारिश हुई लेकिन उसके बाद बादल फतेहाबाद से ऐसे नाराज हुए कि लोग बारिश की बजाय उमस, तपिश और पसीने से तर-बतर नजर आ रहे हैं। मानसून का आनंद लेने की सोच रहे लोगों की उम्मीदों पर पानी फिरता नजर आ रहा है। आसमान में सुबह से ही बादल छाए रहे, लेकिन हल्की बूंदाबांदी के कारण न तो तापमान में कोई खास गिरावट आई और न ही उमस से राहत मिली। नतीजतन, लोग चिपचिपी गर्मी और पसीने से तरबतर हो गए। हालात यह हुए कि शनिवार को यहां का अधिकतम तापमान 39 डिग्री व न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा। भीषण गर्मी में देर रात तक बिजली के कट लगते रहे। शनिवार सुबह घोषित कट तो उसके बाद लगे अघोषित कटों ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया। दरअसल, गर्मी के चलते बिजली की डिमांड इतनी बढ़ गई कि पावर हाऊस की फ्रैक्वेंसी ही डाउन हो गई। 33 केवी में कट पर कट लगते रहे। यह हाल पूरे जिले में रहा। फतेहाबाद में तो शनिवार को पानी की सप्लाई भी नहीं हो सकी। मौसम विभाग ने पहले ही चेतावनी जारी कर दी थी कि प्रदेश के कई जिलों में कभी भी बारिश हो सकती है, जिसमें फतेहाबाद भी शामिल है। इसके बावजूद शनिवार को शहरवासियों को बादलों की आवाजाही के सिवा कुछ खास नहीं मिला। पिछले तीन दिनों से लोग बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। दिनभर तेज धूप और बादलों के बीच लगातार आंख मिचौली चल रही है, जिससे वातावरण और अधिक उमस भरा हो गया है। रात को 3 बार बिजली के कट लगे, जिससे लोग अपने घरों से बाहर गलियों में आ गए ताकि कुछ हवा मिल सके। फतेहाबाद के भट्टू रोड स्थित 33 केवी सब स्टेशन में मेंटेनेंस कार्य के चलते सुबह 6 बजे से 10 बजे तक पहले ही निगम अधिकारियों ने बिजली सप्लाई बंद होने की घोषणा कर रखी थी लेकिन 10 बजे की बजाय बिजली साढ़े 11 बजे शुरू हुई।

24 से 48 घंटे के भीतर मौसम में बदलाव की संभवना

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इस तरह का मौसम प्री-मानसूनी गतिविधियों का हिस्सा है। बादलों की मौजूदगी और हवा में नमी तो है, लेकिन ऊपरी वायुमंडलीय दबाव में बदलाव न होने की वजह से भारी बारिश नहीं हो पा रही है। हालांकि विभाग का कहना है कि अगले 24 से 48 घंटे के भीतर मौसम में बदलाव संभव है और कई स्थानों पर तेज बारिश हो सकती है। शनिवार को यहां का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सैल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री दर्ज किया गया। दिनभर गर्म हवाओं और उमस ने लोगों को काफी परेशान किया।

आज से 10 तक राज्य के ज्यादातर क्षेत्रों में होंगी बारिश

फतेहाबाद। पिछले तीन चार दिनों से मानसून टर्फ दक्षिण की और चली गाई थी जो मध्यप्रदेश, दक्षिण राजस्थान व गुजरात पर होने के कारण हरियाणा राज्य में ज्यादातर क्षेत्रों में बारिश की गतिविधियों में कमी देखने को मिली। परंतु अब मानसून टर्फ उत्तर की तरफ बढ़ रही है जिसकी उत्तरी सीमा श्रीगंगानगर, भिवानी,आगरा, बांदा, पुरुलिया, कोलकाता से होता हुआ उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है जिससे बंगाल की खाड़ी की तरफ से नमी वाली मानसूनी हवाएं राज्य की तरफ आने की संभावना से हरियाणा में 10 जुलाई तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहने की संभावना है। इस दौरान मानसूनी हवाओं की सक्रियता आज 5 जुलाई रात्रि से बढ़ने की संभावना से 6 जुलाई से 10 जुलाई के दौरान राज्य के ज्यादातर क्षेत्रों में हवाओं व गरजचमक के साथ बारिश होने की संभावना है। इस दौरान कुछ एक स्थानों पर तेज बारिश की संभावना बन रही है। जिससे इस दौरान दिन के तापमान में हल्की गिरावट तथा वातावरण में नमी की अधिकता बने रहने की संभावना है ।

5 लोगों के खिलाफ ईडी को शिकायत संपति जांच की मांग

फतेहाबाद। सट्टे के मामले में जमानत पर जेल से बाहर आए अनिल मल ने अब ईडी को पत्र लिखकर पांच लोगों की चल-अचल सम्पति की जांच करवाने की मांग की है। इन लोगों ने ऑनलाइन गेमिंग व मैच सट्टेबाजी के नाम पर करोड़ों रुपये ठगकर सम्पति बनाने का आरोप लगाया गया है। ईडी को लिखे पत्र में अनिल मल ने अनिल गोयल पुत्र प्रहलाद राय गोयल निवासी सतीश कालोनी, संजय गुप्ता पुत्र जगदीश गुप्ता निवासी सैक्टर 14, हिसार, संजय झंडई निवासी संजय विडीयो गेम, नहर कालोनी फतेहाबाद, अभिमन्यु टुटेजा पुत्र श्याम सुंदर निवासी हिसार व प्रवीन झंडई उर्फ पिन्नु रिक्शा वाला निवासी चार मरला कालोनी फतेहाबाद पर गंभीर आरोप लगाए है। मल ने कहा कि इन सभी लोगों ने ऑनलाइन गेमिंग व क्रिकेट सट्टे के नाम पर करोड़ों रुपये ठगे है। इन्होंने सैंकड़ों करोड़ की सम्पति बनाई है जिसमें सोना और कैश भी शामिल हैं। आरोप है कि इन लोगों ने मिलकर पैसे दोगुने करने के नाम पर बहुत लोगों को ठगा है।

■ जमानत पर बाहर आते ही अनिल मल ने खोला मोर्चा

गुरसेवक हत्याकांड में पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल

■ न्याय न मिलने पर डीजीपी कार्यालय के बाहर किया जाएगा प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। हत्याकांड के मामले में मृतक की बहन सतबीर कौर पत्रकारों से बात करते हुए।

जिला के गांव मसीतां में अप्रैल माह में हुए गुरसेवक हत्याकांड के मामले में मृतक की बहन सतबीर कौर ने पुलिस की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि पुलिस इस मामले के मुख्य आरोपी संजय कटारिया को गिरफ्तार करने की बजाय उसे बचाने में लगी हुई है। बार-बार उसके डबवाली व आसपास के क्षेत्रों में होने की पुलिस को पुख्ता सूचना दी गई, लेकिन पुलिस ने पहले ही उसे सूचना देकर भगा दिया, जिससे ये स्पष्ट है कि पुलिस आरोपी को पकडऩे की बजाय उसे संरक्षण दे रही है, ताकि वो कोई और गुनाह करवाए। शनिवार को सिरसा में मीडिया से रू-ब-रू होते हुए सतबीर कौर ने कहा कि मंगलवार को वे डीजीपी हरियाणा से मुलाकात करेंगी। उन्हें डीजीपी पर पूरा भरोसा है कि वो उन्हें न्याय दिलाएंगे। अगर इसके बाद भी पुलिस ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की तो उन्हें मजबूरन डीजीपी कार्यालय के बाहर धरना देना पड़ेगा। इस मौके पर क्रप्शन फ्री इंडिया से जसकौर सिंह ने कहा कि डबवाली पुलिस का पूरा महकमा आरोपी संजय कटारिया को पकड़ने की बजाय उसे संरक्षण देकर किसी और अमूल्य जिंदगी की बलि का इंतजार कर रहा है। पुलिस कार्रवाई की बजाय उल्टा पीड़ित परिवार को ही बार-बार दबाव बनाकर चुप करवाने का काम कर रही है। मृतक गुरसेवक के परिजन गुरप्रीत सिंह बराड़, अबूबशहर ने बताया कि पुलिस बार-बार पूछने पर संजय कटारिया के गायब होने का बहाना बनाकर अपना पल्ला झाड़ रही है।

स्वामी नगर में हुई हिंसक वारदात के मामले में तीन युवक गिरफ्तार

■ दो पक्षों के बीच मारपीट, तलवारबाजी एवं जानलेवा फायरिंग का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

स्वामी नगर फतेहाबाद क्षेत्र में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट, तलवारबाजी एवं जानलेवा फायरिंग करने के मामले में शहर फतेहाबाद पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। डीएसपी अर्बन फतेहाबाद जयपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपियों को काबू कर पूछताछ शुरू कर दी है। इन घटनाओं में एक पक्ष द्वारा तलवार से हमला कर एक व्यक्ति को घायल किया गया था। इस हमले में संलिप्त तीनों आरोपी चरणजीत उर्फ रोहित पुत्र पूर्ण सिंह, विनोद कुमार पुत्र पूर्ण सिंह व जसबीर सिंह पुत्र जगीर सिंह निवासी स्वामी नगर, फतेहाबाद को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके विरुद्ध संगीन धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। वहीं, दूसरे पक्ष द्वारा जान से मारने की नीयत से फायरिंग किए जाने की पुष्टि भी हुई है। गोली चलाने वाले आरोपियों की पहचान कर ली गई है तथा उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें गठित कर छापेमारी जारी है। इस मामले में पुलिस ने चरणजीत उर्फ रोहित पुत्र पूर्ण सिंह निवासी स्वामी नगर फतेहाबाद की शिकायत पर स्वामी नगर के ही हरप्रीत उर्फ पीटू पुत्र सेवक व राजेश पुत्र रमेश के खिलाफ शस्त्र अधिनियम सहित बीएनएस की अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। यह घटना गत दिवस देर सायं स्वामी नगर क्षेत्र में उस समय हुई, जब दोनों पक्षों के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान तलवारबाज़ी और फायरिंग की घटनाएं सामने आई जिससे तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई।

भूना। लायंस क्लब के पूर्व प्रधान सुनील नारंग अपने घर में हुई चोरी की वारदात को दिखाते हुए।

भूना में चोरी, शादी में गए परिवार के घर से 7 लाख और जेवर चोरी

भूना। अनाज मंडी के पीछे वार्ड नंबर 15 के एक घर में शुक्रवार रात अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर घर से सात लाख रुपये नकद और साढ़े 6 तोला सोने के जेवर ले गए। वारदात के समय परिवार शादी समारोह में गया हुआ था। घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने इस बारे शनिवार को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, लायंस क्लब के पूर्व प्रधान सुनील नारंग अपने परिवार के साथ उकलाना रोड स्थित एक मैरिज पैलेस में शादी में शामिल होने गए थे। वे रात करीब 9 बजे घर से निकले थे। जाने से पहले उनकी पत्नी ममता नारंग ने घर की दूसरी मंजिल के मुख्य गेट पर ताला लगाया था। चोरों ने पीछे से घर में घुसने के लिए मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा। घर के दो कमरों की अलमारियों के लॉकर तोडक़र नकदी और जेवरात चुरा लिए। चोरों ने सारा सामान जमीन पर बिखेर दिया।

पुलिस अधीक्षक ने साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक

ऑनलाइन फ्रॉड से रहें सतर्क, यदि बैंक खाते से धोखे से निकाले गए हैं पैसे, तो करें सूचित : एसपी

साइबर ठगी होने पर1930 पर करें कॉल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने आमजन को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए कहा है कि आज के दौर में ऑनलाइन पेमेंट और डिजिटल ट्रांजेक्शन का चलन तेजी से बढ़ा है। चाहे पैसे का लेन-देन हो, कॉलेज की फीस भरनी हो या बिजली-पानी के बिल चुकाने हों, यह सभी काम अब कुछ ही क्षणों में पूरे हो जाते हैं। लेकिन इन सुविधाओं के साथ साइबर धोखाधड़ी के मामलों में भी तीव्र वृद्धि हुई है। कई बार ग्राहकों को यह संदेश प्राप्त होता है कि उनके बैंक खाते से धनराशि निकाली गई है, जबकि उन्होंने ऐसा कोई लेन-देन नहीं किया होता। ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय, तुरंत और सतर्कतापूर्वक कदम उठाना आवश्यक है। एसपी ने बताया कि यदि आपके खाते से बिना आपकी जानकारी के पैसे निकाले गए हैं और आपकी कोई गलती नहीं है, तो समय पर की गई शिकायत और कुछ आवश्यक सावधानियों के पालन से राशि की वापसी संभव हो सकती है। ऐसे में सबसे पहले संबंधित बैंक को तुरंत सूचित करें। समय रहते सूचना देने पर ट्रांजेक्शन को रोका जा सकता है। निकटतम पुलिस थाना, साइबर थाना या साइबर सेल में शिकायत दर्ज करें। साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तत्काल कॉल करें। साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत ऑनलाइन दर्ज करें। एसपी ने कहा कि यदि आपने किसी अजनबी को ओटीपी, पासवर्ड, पिन या अन्य संवेदनशील जानकारी साझा की है, तो बैंक उस लेन-देन की जिम्मेवारी नहीं लेता। इसलिए कभी भी अपनी निजी जानकारी किसी के साथ साझा न करें, चाहे सामने वाला व्यक्ति खुद को बैंक अधिकारी ही क्यों न बताए।

रहें सतर्क व दूसरों को भी करें जागरूक

पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील की है कि वे न केवल स्वयं जागरूक रहें, बल्कि अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी साइबर धोखाधड़ी के प्रति सतर्क करें। किसी भी संदिग्ध या फर्जी लेन-देन की स्थिति में तुरंत पुलिस अथवा साइबर सेल से संपर्क करें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके और पीड़ित को राहत मिल सके। -एसपी सिद्धांत जैन।

निवेश मंत्रा बिजनेस डेस्क

- पहले अपना लक्ष्य तय करें और रिस्क क्षमता जांच लें
- आपका लक्ष्य लंबी अवधि का है, तो इक्विटी म्यूचुअल फंड बेहतर
- रिटायरमेंट में ज्यादा वक्त नहीं बचा है तो डेट फंड्स में निवेश सही

हर म्यूचुअल फंड का रिस्क लेवल अलग होता है। इक्विटी फंड ज्यादा उतार-चढ़ाव वाले होते हैं, जबकि डेट या हाइब्रिड फंड ज्यादा स्टेबल रिटर्न देते हैं। आपकी रिस्क लेने की क्षमता आपकी उम्र, आमदनी और वित्तीय जिम्मेदारियों के हिसाब से भी तय होती है। साथ ही यह भी सोचें कि आपको पैसों की जरूरत कितने समय बाद पड़ेगी। अगर आपका लक्ष्य कुछ साल दूर है, तो इक्विटी में निवेश कर सकते हैं, लेकिन शॉर्ट टर्म के लिए डेट या लिक्विड फंड ज्यादा अच्छे माने जाते हैं।

निवेश करने जा रहे हैं तो पल्ले 'गांठ' बांध लें ये बातें, अच्छी होगी कमाई

म्यूचुअल फंड निवेश का एक पॉपुलर और स्मार्ट तरीका बन चुका है। यह एक ऐसा ऑप्शन है, जिसमें छोटे निवेशकों को भी प्रोफेशनल मैनेजमेंट, डायवर्सिफिकेशन और फ्लेक्सिबिलिटी का फायदा मिल पाता है, लेकिन अपने लिए सही म्यूचुअल फंड का सेलेक्शन करते समय केवल पिछले रिटर्न को देखना ही काफी नहीं होता। सही फंड चुनने के लिए कुछ अहम बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि निवेश से बेहतर रिटर्न मिले और रिस्क भी कंट्रोल में रहे। सबसे पहले अपनी रिस्क क्षमता को देखते हुए लक्ष्य तय करें। इसके बाद ही निवेश के इस समर में उतरे। अगर इन जरूरी बातों पर ध्यान नहीं दिया तो सही फंड चुनने में चूक हो सकती है और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

अपना फाइनेंशियल गोल तय करें

सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि आप निवेश क्यों कर रहे हैं। घर खरीदने के लिए, बच्चों की पढ़ाई के लिए, रिटायरमेंट प्लान करने के लिए या फिर एसेट्स बनाने के लिए। अगर आपका निवेश का लक्ष्य साफ होगा, तो आपके लिए यह तय करना भी आसान हो जाएगा कि आपके लिए किस तरह का फंड बेहतर रहेगा। मिसाल के तौर पर अगर आपका लक्ष्य लंबी अवधि का है, तो इक्विटी म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं, जबकि रिटायरमेंट में ज्यादा वक्त नहीं बचा है तो डेट फंड्स में निवेश करना सही हो सकता है.

रिस्क लेने की क्षमता और इनवेस्टमेंट होराइजन

हर म्यूचुअल फंड का रिस्क लेवल अलग होता है। इक्विटी फंड ज्यादा उतार-चढ़ाव वाले होते हैं, जबकि डेट या हाइब्रिड फंड ज्यादा स्टेबल रिटर्न देते हैं। आपकी रिस्क लेने की क्षमता आपकी उम्र, आमदनी और वित्तीय जिम्मेदारियों के हिसाब से भी तय होती है। साथ ही यह भी सोचें कि आपको पैसों की जरूरत कितने समय बाद पड़ेगी। अगर आपका लक्ष्य कुछ साल दूर है, तो इक्विटी में निवेश कर सकते हैं, लेकिन शॉर्ट टर्म के लिए डेट या लिक्विड फंड ज्यादा अच्छे माने जाते हैं।

म्यूचुअल फंड की कैटेगरी को समझें

म्यूचुअल फंड्स की कई कैटेगरी हैं। मिसाल के तौर पर इक्विटी, डेट, हाइब्रिड, इंडेक्स, सेक्टोरल, ईएलएसएस वगैरह। हर फंड कैटेगरी की खूबियां अलग-अलग होती हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि कौन-सा फंड किस तरह की जरूरत के लिए बना है। फंड एक्टिव है या पैसिव, यह जानना भी जरूरी है, क्योंकि इससे निवेश की रणनीति बदल सकती है।

पिछला ट्रैक रिकॉर्ड जरूर चेक करें

म्यूचुअल फंड्स के पिछले रिटर्न भविष्य की गारंटी नहीं देते, लेकिन यह जरूर बताते हैं कि किसी फंड ने बाजार के अलग-अलग साइकल या हालात में कैसा प्रदर्शन किया है। किसी फंड के तीन, पांच और सात साल के औसत रिटर्न की तुलना स्कीम के बेंचमार्क इंडेक्स और कैटेगरी एवरेज से करने पर उसके प्रदर्शन का काफी-कुछ अंदाजा लगाया जा सकता है।

फंड का पोर्टफोलियो देखें

कोई फंड किन कंपनियों में निवेश कर रहा है, यह जानना भी जरूरी है। इससे पता चलता है कि फंड मैनेजर की इनवेस्टमेंट फिलॉसफी क्या है और यह आपके जोखिम प्रोफाइल से मेल खाती है या नहीं। मिसाल के तौर पर लार्ज कैप स्टॉक्स में ज्यादा निवेश करने वाले फंड, मिड कैप या स्मॉल कैप में ज्यादा इनवेस्ट करने वाली स्कीम के मुकाबले कम रिस्क वाले हो सकते हैं।

फंड मैनेजर का पिछला ट्रैक रिकॉर्ड

म्यूचुअल फंड्स में फंड मैनेजर की भूमिका बहुत अहम होती है। उनका अनुभव और ट्रैक रिकॉर्ड बताता है कि वे बाजार की चाल को कितना समझते हैं और निवेशकों के पैसों को संभालने में कितने माहिर हैं। यह भी देखें कि जिस फंड में आप निवेश करना चाहते हैं, उसके फंड मैनेजर कितने अनुभवी हैं।

निवेश के खर्च पर भी गौर करें

किसी फंड में निवेश करने पर कितना खर्च आता है, यह उसके एक्सपेंस रेशियो से पता चलता है. अगर यह ज्यादा है तो आपकी कमाई पर असर पड़ सकता है। एक्टिव फंड्स में यह रेशियो कुछ अधिक हो सकता है, लेकिन पैसिव या इंडेक्स फंड्स में इसे कम ही रहना चाहिए. साथ ही डायरेक्ट प्लान का एक्सपेंस रेशियो भी उसी स्कीम के रेगुलर प्लान से कम होता है।

एग्जिट लोड व लॉक-इन पीरियड को समझें

कुछ फंड्स में तय समय से पहले पैसे निकालने पर एग्जिट लोड लगता है। ईएलएसएस जैसे फंड में 3 साल का लॉक-इन पीरियड होता है। कुछ फंड्स में यह 5 साल भी हो सकता है। इसलिए निवेश से पहले यह जानना जरूरी है कि आप जरूर पड़ने पर अपने पैसे कितनी जल्दी निकाल सकते हैं और उसका खर्च कितना होगा।

टैक्स के असर को भी जानें

इक्विटी और डेट फंड्स पर टैक्स की दरें अलग-अलग होती हैं। लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म के टैक्स रेट भी अलग होते हैं। निवेश का फैसला करते समय टैक्स इम्पैक्ट को ध्यान में रखें ताकि नेट रिटर्न का सही कैलकुलेशन हो सके।

फंड हाउस का पुराना प्रदर्शन भी देखें

जिस एसेट मैनेजमेंट कंपनी से फंड जुड़ा है, उसकी क्रेडिबिलिटी और पिछले इतिहास को जानना भी जरूरी है। एक मजबूत और भरोसेमंद एएमसी आपके पैसों को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकता है। म्यूचुअल फंड में निवेश से अच्छा रिटर्न मिल सकता है, लेकिन इसके लिए आंख बंद करके किसी भी फंड में पैसा न लगाएं। अपनी जरूरत, रिस्क लेने की क्षमता और इनवेस्टमेंट होराइजन को समझें और ऊपर बताए गए हर प्वाइंट को ध्यान में रखकर फैसला करें। अगर जरूरत हो तो किसी फाइनेंशियल एक्सपर्ट की सलाह भी लें।

पीपीएफ में निवेश से भी जुटा सकते हैं 1.50 करोड़, ट्रिपल 5 का फॉर्मूला आएगा काम

केंद्र सरकार ने निवेशकों खासतौर से सैलरीड क्लास के बीच पॉपुलर स्मॉल सेविंग्स पर ब्याज दरों में कोई बइलाव नहीं किया है। जुलाई से सितंबर 2025 तक के लिए पीपीएफ पर 7.1 फीसदी सालाना ब्याज मिलता रहेगा। पीपीएफ की मैच्योरिटी 15 साल होती है, यानी यह लंबी अवधि के निवेश पर फोकस करने वाली स्कीम है। फाइनेंशियल एडवाइजर भी इसे लंबी अवधि के लिए सुरक्षित स्कीम मानते हैं। इस स्कीम के जरिए आप कितना फंड जुटा सकते हैं। क्या 1 करोड़ या 1.50 करोड़। इसका जवाब है आपके द्वारा होल्ड किए जाने वाली अवधि। पब्लिक प्रोविडेंट फंड एक ऐसी सरकारी स्कीम है, जिसे लंबी अवधि की निवेश के लिए डिजाइन किया गया है। अगर इस सरकारी स्कीम में लंबी अवधि तक या पूरे नौकरी पीरियड तक निवेश बनाए रहें तो रिटायरमेंट पर यह सरप्राइज दे सकता है। अब सवाल है कि मैच्योरिटी 15 साल की है तो इसे 25 साल या 30 साल तक होल्ड करना कैसे संभव है। ऐसा संभव है, इसे संभव बनाता है इस स्कीम में एक्सटेंशन से जुड़ा नियम।

28 की उम्र में पीपीएफ अकाउंट शुरू करना और इसे 58 साल तक बनाए रखने का मतलब है कि आपने 15 साल की मैच्योरिटी के बाद 3 बार 5 साल के लिए यानी ट्रिपल 5 का फॉर्मूला अपनाकर इसमें निवेश जारी रखा।

पीपीएफ में निवेश के नियम

पीपीएफ की मैच्योरिटी वैसे तो 15 साल की है, लेकिन निवेशक चाहें तो इसे एक बार में 5 साल - 5 साल के लिए कितनी बार भी आगे बढ़ा सकते हैं। इस तरह से यह स्कीम पूरी नौकरी पीरियड में भी बनाए रखी जा सकती है। अगर आप एक्सटेंशन से जुड़े इस नियम का सही से फायदा उठाते हैं तो आपका भविष्य वित्तीय रूप से बहुत हद तक सुरक्षित हो सकता है। हमने यहां 28 साल से 58 साल तक यानी नौकरी के 30 साल निवेश पर कैलकुलेशन दिया है।

28 से 58 साल तक निवेश

28 की उम्र में पीपीएफ अकाउंट शुरू करना और इसे 58 साल तक बनाए रखने का मतलब है कि आपने 15 साल की मैच्योरिटी के बाद 3 बार 5 साल के लिए यानी ट्रिपल 5 का फॉर्मूला अपनाकर इसमें निवेश जारी रखा।

इसे ऐसे समझें

- एक फाइनेंशियल ईयर में जमा : 1.50 लाख रुपये
- ब्याज दर : 7.1 फीसदी सालाना
- 15 साल में कुल जमा : 22,50,000
- 15 साल बाद कुल फंड : 40,68,209
- 3 बार एक्सटेंड करने पर
- 30 साल में कुल जमा : 45,00,000
- 30 साल बाद कुल फंड : 1,54,50,911
- ब्याज का फायदा : 1,09,50,911 रुपये

पीपीएफ को एक्सटेंड करने पर क्या हैं फायदे?

यह बचत स्कीम एक्सटेंड करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपने रिटायरमेंट तक इसके जरिए एक बड़ा कॉर्पस जो 1.50 करोड़ रुपये भी हो सकता है, तैयार कर सकते हैं। वहीं ईपीएफ अकाउंट से भी आपको रिटायरमेंट पर अच्छा खासा फंड मिलेगा। ऐसे में आपका बुढ़ापा पूरी तरह से टेंशन फ्री हो जाएगा।

क्लोजिंग बैलेंस पर 89,000 रुपये मंथली इनकम

यहां आपने 30 साल तक निवेश कर, रिटायरमेंट तक 1.50 करोड़ फंड जुटा लिया। अब इसी फंड से मंथली कमाई करना चाहते हैं तो इसे फिर एक्सटेंड कर फायदा उठा सकते हैं. अगर आप स्कीम को बिना कुछ निवेश किए 5 साल के लिए एक्सटेंड किया है तो आपको क्लोजिंग बैलेंस पर सालाना ब्याज मिलेगा। वहीं हर साल एक बार आप पूरी रकम का कितना फीसदी भी निकाल सकते हैं। यह 100 फीसदी तक हो सकता है। यहां 1.50 करोड़ रुपये के क्लोजिंग बैलेंस पर 7.1 फीसदी सालाना ब्याज मिलेगा। यह एक साल में 10,65,000 रुपये होगा. आप एक साल में एक बार में इस पूरी ब्याज की रकम को निकाल सकते हैं। इसे 12 महीनों में बांट दें तो करीब 88,750 रुपये महीना होगा. वहीं इस निकासी पर कोई टैक्स भी नहीं लगेगा।

क्या है पीपीएफ

- पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड) एक प्रकार की बचत योजना है जो भारत सरकार द्वारा संचालित की जाती है। यह योजना व्यक्तियों को अपने भविष्य के लिए बचत करने और कर लाभ प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।
- लंबी अवधि की बचतः पीपीएफ एक लंबी अवधि की बचत योजना है जिसमें निवेश की अवधि 15 वर्ष होती है।
- कर लाभः पीपीएफ में निवेश करने से आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर लाभ प्राप्त होता है।
- निश्चित ब्याज दरः पीपीएफ पर ब्याज दर सरकार द्वारा निर्धारित की जाती है और यह दरें समय-समय पर बदलती रहती हैं।
- सुरक्षित निवेशः पीपीएफ एक सुरक्षित निवेश विकल्प है क्योंकि इसमें सरकार का समर्थन होता है।

सोने में लौट रहा निवेशकों का भरोसा

गोल्ड ईटीएफ ने 5 वर्ष में दिया बड़ा मुनाफा

विकल्प बिजनेस डेस्क

अगर आपने पिछले 5 सालों में हर महीने सिर्फ 10,000 रुपये गोल्ड ईटीएफ में लगाए होते, तो आज आपकी रकम करीब 10 लाख हो चुकी होती! एक रिपोर्ट के मुताबिक, येलो कमोडिटी यानी गोल्ड पर बेस्ड ईटीएफ ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। उदाहरण के तौर पर, एलआईसी एमएफ गोल्ड ईटीएफ में 10,000 रुपये की मंथली एसआईपी से कुल 6 लाख रुपये का निवेश करके 5 साल में 9.93 लाख रुपये तक का फंड तैयार किया है। इस दौरान इसका एक्सआईआरआर 20.93% रहा। इगोवहीं, यूटीआई गोल्ड ईटीएफ ने भी 9.92 लाख का रिटर्न दिया, जिसमें एक्सआईआरआर 20.87% रहा। कुल मिलाकर, गोल्ड ईटीएफ ने यह दिखा दिया है कि अगर आप अनुशासित तरीके से एसआईपी करते हैं, तो आपको बेहतर रिटर्न मिल सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मई 2025 में गोल्ड ईटीएफ में कुल 291 करोड़ रुपये का निवेश आया है। इससे पता चलता है कि गोल्ड में निवेशकों को भरोसा लौट रहा है।

सोना निवेश का भरासेमंद विकल्प

मई 2025 में गोल्ड ईटीएफ में 291 करोड़ की नया निवेश हुआ। एक्सपर्ट का मानना है कि सोने की मजबूत कीमत और दुनिया भर की अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों का सोने में फिर से भरोसा बढ़ रहा है। इससे पता चलता है कि सोना अब भी एक सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश का ऑप्शन बना हुआ है। जानकारों के मुताबिक निवेशक फिर से सोने पर भरोसा कर रहे हैं क्योंकि सोना शेयर और बॉन्ड बाजार की अस्थिरता के बीच एक सुरक्षित जगह माना जाता है। मई महीने में सोने की कीमतें ज्यादा बदल नहीं हुईं, जिससे निवेशकों के लिए यह सही समय था कि वे अपने पैसे सुरक्षित जगह लगाएं या अपने निवेश का संतुलन ठीक करें। इसलिए अब ज्यादा लोग सोने में निवेश कर रहे हैं।

क्या है गोल्ड ईटीएफ

गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो सोने की कीमतों को ट्रैक करता है। यह निवेशकों को सोने में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है बिना भौतिक सोना खरीदने की आवश्यकता के।

गोल्ड ईटीएफ के लाभ

- **सोने में निवेश :** गोल्ड ईटीएफ निवेशकों को सोने में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है बिना भौतिक सोना खरीदने की आवश्यकता के।
- **विविधीकरण :** गोल्ड ईटीएफ निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो को विविध बनाने में मदद कर सकता है।
- **लिक्विडिटी :** गोल्ड ईटीएफ में उच्च लिक्विडिटी होती है, जिससे निवेशक अपने निवेश को आसानी से बेच सकते हैं।
- **कम लागत :** गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने की लागत कम होती है।

एसआईपी करने वालों के लिए खुशखबरी

■ 5 साल में गोल्ड ईटीएफ ने 10,000 मासिक एसआईपी को 10 लाख में बदला

■ एलआईसी, यूटीएल, और इनवेस्को जैसे फंड्स ने 20% से ज्यादा रिटर्न दिया

■ मई में गोल्ड ईटीएफ में 291 करोड़ का निवेश आया, दे रहा बढ़िया संकेत

गोल्ड ईटीएफ- 5 साल का परफॉर्मेंस

गोल्ड ईटीएफ	10,000 मंथली एसआईपी का वर्तमान वैल्यू जो 5 साल पहले शुरू किया था	एक्सआईआरआर (%)
एलआईसी	993,917.25	20.93
यूटीआई गोल्ड	992,677.42	20.87
इन्वेस्को इंडिया	991,639.77	20.83
एक्सिस	990,730.89	20.79
आईसीआईसीआई प्रू	990,214.31	20.77
आदित्य बिड़ला एसएल	988,839.31	20.71
एचडीएफसी	988,609.05	20.7
कोटक	988,529.52	20.7
एसबीआई	986,021.61	20.59
क्वांटम गोल्ड फंड	984,917.72	20.54
निप्पॉन इंडिया ईटीएफ गोल्ड बीईएस	983,924.09	20.5

गोल्ड ईटीएफ की विशेषताएं

- सोने की कीमतों को ट्रैक करना : गोल्ड ईटीएफ सोने की कीमतों को ट्रैक करता है, जिससे निवेशकों को सोने के मूल्य में परिवर्तन के अनुसार लाभ या हानि होती है।
- एक्सचेंज पर कारोबार : गोल्ड ईटीएफ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होता है और इसका कारोबार शेयरों की तरह किया जा सकता है।
- लिक्विडिटी : गोल्ड ईटीएफ में उच्च लिक्विडिटी होती है, जिससे निवेशक अपने निवेश को आसानी से बेच सकते हैं।
- कम लागत : गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने की लागत कम होती है क्योंकि इसमें भौतिक सोना खरीदने और रखने की आवश्यकता नहीं होती है।

स्वास्थ्य बीमा में ईएमआई के लाभ : कवरेज को और किफायती बनाएं

ईएमआई भुगतान विकल्प के साथ स्वास्थ्य बीमा खरीदना करना ज़्यादा सुविधाजनक ■ पॉलिसीधारक छोटी, ज़्यादा सुलभ किश्तों में प्रीमियम का भुगतान कर पाने में होते हैं सक्षम ■ मिलती है मासिक, त्रैमासिक या अर्ध-वार्षिक भुगतान माध्यम चुनने की सुविधा

आज की भागदौड़ भरी दुनिया में, स्वास्थ्य समस्याएं और बढ़ते मेडिकल खर्चे व्यक्तियों और परिवारों दोनों के लिए एक आम समस्या बन गए हैं। हेल्थकेयर की बढ़ती लागत के चलते, बहुत से लोगों के लिए कॉमप्रिहेंसिव स्वास्थ्य बीमा कवरेज खरीदना पहले से ज़्यादा मुश्किल हो गया है। सुलभता और किफायत को बढ़ाने के लिए, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (आईआरडीएआई) ने 2019 में यह नियम बनाया कि बीमा प्रीमियम का भुगतान एकमुश्त करने के बजाय, बीमा कंपनियां पॉलिसीधारकों को ईएमआई (समान मासिक किश्तों) में प्रीमियम चुकाने का विकल्प दें। इससे लोगों के लिए अपने खर्चों को बजट में लाना आसान हो जाएगा और यह सुनिश्चित होगा है कि उनके पास अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों से सुरक्षा के लिए निरंतर स्वास्थ्य कवरेज हो। ईएमआई भुगतान विकल्प के साथ स्वास्थ्य बीमा

जानकारी
भास्कर नेरुरकर

खरीदना करना ज़्यादा सुविधाजनक हो जाता है, जिससे पॉलिसीधारक छोटी, ज़्यादा सुलभ किश्तों में प्रीमियम का भुगतान कर पाते हैं।

ईएमआई पर स्वास्थ्य बीमा आपको एक बार में पूरी राशि का भुगतान करने के बजाय, मासिक, त्रैमासिक या अर्ध-वार्षिक भुगतान माध्यम चुनने की सुविधा देता है, जिससे अपना बजट बनाना आपके लिए आसान हो जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपका वार्षिक प्रीमियम 36,000 रुपये है, तो फाइनेंशियल बाधाओं की वजह से पूरी राशि का एकमुश्त भुगतान करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ईएमआई भुगतान के ज़रिए, आप 3,000 रुपये की 12 किश्तों में भुगतान करने का विकल्प चुन सकते हैं या पूरी राशि को त्रैमासिक या अर्ध-वार्षिक किश्तों में बांटकर भुगतान कर सकते हैं, जिससे आपको लगातार कवरेज भी मिलती है और आपकी फाइनेंशियल स्थिरता भी बनी रहती है। यह तरीका पॉलिसीधारकों को एक बार में बड़े खर्चों से बचने में मदद करता है, जिससे स्वास्थ्य बीमा प्राप्त करना और मैनेज करना आसान हो जाता है। ईएमआई पर स्वास्थ्य बीमा लेने से कई लाभ मिलते हैं, जो हेल्थकेयर कवरेज प्राप्त करना आसान और सुविधाजनक बनाते हैं. यहां कुछ प्रमुख लाभ दिए गए हैं।

उच्च कवरेज का एक्सेस

एक अच्छा स्वास्थ्य बीमा प्लान होना बहुत जरूरी है, लेकिन कई बार इसकी लागत आपके लिए चिंता का विषय हो सकती है। ईएमआई का विकल्प चुनकर, आप उच्च कवरेज वाले प्लान खरीद सकते हैं। जो कि विशेष रूप से हृदय रोग, कैंसर, किडनी फेलियर या न्यूरोलॉजिकल विकार जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने में मददगार होते हैं। इन बीमारियों का इलाज महंगा हो सकता है, जिसमें लंबे समय तक मेडिकल केयर, सर्जरी और महंगी दवाओं की आवश्यकता होती है। ईएमआई प्लान के साथ, आप उन गंभीर बीमारियों को कवर करने वाली बीमा पॉलिसी चुन सकते हैं, जिनके लिए एकमुश्त भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे कठिन समय में आपके और आपके परिवार के लिए फाइनेंशियल सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

सीनियर सिटीज़न और रिटायर हो चुके लोगों के लिए उपयुक्त

जैसे-जैसे व्यक्ति की आयु बढ़ती है, स्वास्थ्य बीमा और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, लेकिन आयु से संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों के कारण कवरेज की लागत अधिक हो सकती है. सीनियर सिटीज़न और रिटायर हुए लोगों के लिए, बीमा के लिए बड़ी राशि का एकमुश्त भुगतान चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासतौर पर तब जब उनकी आय एक निश्चित राशि तक ही सीमित हो। ऐसी स्थिति में ईएमआई प्लान सहायक बन जाते हैं। सुविधाजनक भुगतान विकल्पों के साथ, वे सही पॉलिसी प्राप्त कर सकते हैं जो फाइनेंशियल स्थिरता बनाए रखते हुए उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा करती है।

ज़्यादा किफायती

बीमा के लिए एक बड़ी राशि का भुगतान करना कभी-कभी आपकी जेब पर भारी पड़ सकता है। ऐसे में ईएमआई प्लान मददगार साबित होते हैं -वे खर्च को छोटे, आसान भुगतानों में बांटते हैं, जिससे हर किसी के लिए बीमा लेना ज़्यादा किफायती हो जाता है। वार्षिक प्रीमियम का एक बार में भुगतान करके परेशान होने की बजाय, आप आसान किश्तों में भुगतान कर सकते हैं, जिससे आपका आर्थिक दबाव कम हो सकता है। उदाहरण के लिए, कॉमप्रिहेंसिव पॉलिसी के लिए एक बार में 50,000 रुपये का भुगतान करने के बजाय, आप एक वर्ष के लिए प्रति माह लगभग 4,167 रुपये का भुगतान करने का विकल्प चुन सकते हैं।

परेशानियों को कम करते हैं ऑटोमैटिक भुगतान

कभी-कभी बीमा प्रीमियम का भुगतान करना मुश्किल हो सकता है, खासतौर पर जब आप जीवन में व्यस्त हो जाते हैं। इसलिए कई बीमा कंपनियां ईएमआई भुगतान के लिए ऑटो-डेबिट विकल्प प्रदान करती हैं, जिससे प्रीमियम का भुगतान करना आसान हो जाता है और यह सुनिश्चित होता है कि आपकी पॉलिसी जारी रहे. ऑटो-डेबिट सुविधा के साथ, आपकी चुनी गई आवृति, जैसे मासिक, तिमाही, अर्ध-वार्षिक या वार्षिक के आधार पर, आपका बीमा प्रीमियम ऑटोमैटिक रूप से आपके बैंक अकाउंट से काटा जाता है। यह सुविधा आपको भुगतान से चूकने से बचाती है और भुगतान में देरी की वजह से पॉलिसी समाप्त होने के जोखिम को खत्म करती है। इसके अलावा, यह आपको हर देय तिथि को याद रखने से भी बचाती है। इस विकल्प के साथ, आप बिना किसी फाइनेंशियल दबाव के लगातार कवरेज बनाए रख सकते हैं और हर समय सुरक्षित रह सकते हैं।

टैक्स लाभ : स्वास्थ्य बीमा न केवल आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है, बल्कि टैक्स लाभ भी प्रदान करता है, जो आपको पैसे बचाने में मदद कर सकता है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80डी के तहत, आप स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर खर्च किए गए पैसे पर कटौती का क्लेम कर सकते हैं। यह आपकी टैक्स योग्य आय को कम करता है, जिससे आपका देय टैक्स भी कम हो जाता है। स्वयं, पति/पत्नी, बच्चों और आश्रित माता-पिता के लिए चुकाए गए प्रीमियम पर यह कटौती लागू होती है। अगर आप प्रीमियम का भुगतान ईएमआई पर करना चुनते हैं, तो आपको टैक्स लाभ भी मिलेंगे और छोटे भुगतानों की सुविधा भी। टैक्स फाइल करते समय कटौती का क्लेम करने के लिए, सभी भुगतानों की रसीदें और पॉलिसी डॉक्यूमेंट को प्रमाण के रूप में ज़रूर रखें।

स्मार्ट और सुविधाजनक विकल्प : ईएमआई पर स्वास्थ्य बीमा उन व्यक्तियों और परिवारों के लिए एक स्मार्ट और सुविधाजनक विकल्प है, जो एक बार में बड़ी राशि का भुगतान किए बिना कॉमप्रिहेंसिव हेल्थकेयर कवरेज चाहते हैं। शुरुआत करने के लिए, अपनी हेल्थकेयर की आवश्यकताओं का आकलन करें और विभिन्न बीमा प्लान्स के बारे में जानें। नियम और शर्तों को समझें और अपने बजट के अनुसार भुगतान की आवृति चुनें। पता लगाएं कि क्या कोई अतिरिक्त शुल्क लग रहा है, पॉलिसी की कवरेज में क्या शामिल है और क्लेम कैसे करते हैं, ताकि बाद में कोई समस्या न हो। सही स्वास्थ्य बीमा प्लान और किफायती ईएमआई आपको लंबे समय के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा, फाइनेंशियल सुरक्षा और मन की शांति प्रदान करते हैं। याद रखें, आज सही विकल्प चुनने से आपको भविष्य में मेडिकल एमरजेंसी के दौरान फाइनेंशियल तनाव से बचने में मदद मिल सकती है।

(लेखक बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम के हेड हैं।)

खबर संक्षेप

श्याम बाबा की पैदल निशान यात्रा आयोजित

टोहाना। श्री बालाजी सेवा समिति द्वारा श्री बालाजी श्याम मिलन महोत्सव के उपलक्ष्य में श्याम बाबा की पैदल निशान यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यह शोभायात्रा शहर के रतिया रोड स्थित प्राचीन पंचमुखी शिव मंदिर से शुरू होकर शहर के रतिया रोड, अग्रसेन चौक, घंटाघर चौक, अग्रसेन चौक के रास्ते रेलवे रोड स्थित अनाज मंडी में पहुंची। यात्रा में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं का शहर की संस्थाओं द्वारा स्वागत किया गया।

तीन दिवसीय योगाभ्यास कार्यक्रम का शुभारंभ

सिरसा। लायंस क्लब सिरसा लोक्षित के तीन दिवसीय योग भगाए रोग कार्यक्रम के प्रथम दिन योगाचार्य वीरेंद्र नागपाल ने स्थानीय एफ ब्लाक के पार्क में योगाभ्यास करवाया। क्लब के सचिव भारत भूषण ऐलावादी ने बताया कि इस कार्यक्रम में शुगर व बीपी जांच का कैंप भी लगाया गया, जिसमें लगभग 100 लोगों की जांच की गई। मुख्यातिथि हरदीप सरकारिया व संजय गांधी ने कहा कि लायंस क्लब लोक्षित वास्तव में जनपद गवर्नर विशाल वढेरा के थीम वाक्य सर्वे भवंतु सुखिन की अनुपालना कर रही है।

डेरा बाबा श्योराम दास में दो दिवसीय सत्संग 9 से

सिरसा। श्री बाबा जीतराम दास की पुण्यतिथि पर आगामी 9 से10 जुलाई को डबवाली रोड स्थित डेरा श्योराम दास में वार्षिक भंडारा व सत्संग आयोजित किया जाएगा। मुख्य सेवक बाबा हरपाल दास ने बताया कि आगामी 09 जुलाई बुधवार रात्रि 9 बजे सत्संग का आयोजन किया जाएगा, जिसमें गोहाना से भजन गायक समुंदर दास अपनी मधुर वाणी से गुणगान कर श्रद्धालुओं को रिझाएंगे। आगामी 10 जुलाई वीरवार प्रातः 8:15 बजे डेरा प्रांगण में हवन यज्ञ किया जाएगा। इसके बाद सवा दस बजे से भंडारा शुरू किया जाएगा। उन्होंने सभी धर्मप्रेमी सज्जनों से निवेदन किया कि तय समयानुसार डेरा में पहुंचकर अपने जीवन को सफल बनाएं।

गुजवि ने विभिन्न विषयों का परिणाम किया घोषित

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने विभिन्न विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने बताया कि दिसम्बर 2024 में आयोजित एमएससी फिजिक्स ग्रुप-ए व ग्रुप-बी तृतीय सेमेस्टर (मेन) बैच 2023, इंटेग्रेटिड बीएससी (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च) इन कंप्यूटर साइंस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस) द्वितीय सेमेस्टर (मेन) बैच 2023, बीएससी ऑनर्स इकोनोमिक्स छठा सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2021, बीएससी ऑनर्स-कंप्यूटर डेटा साइंस-063 छठा सेमेस्टर (मेन) बैच 2022 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है।

विद्यालय स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

अंडर-11 में सोनिया, अंडर-14 में प्रतीक और अंडर-17 में अमन ने मारी बाजी

- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धौलू में कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धौलू में शनिवार को स्कूल स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विभिन्न आयु वर्गों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी बौद्धिक क्षमता और रणनीतिक सोच का परिचय दिया। प्रतियोगिता में अंडर-11 आयु वर्ग में सोनिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया, जबकि महक द्वितीय और हार्दिक तृतीय स्थान पर रहे। अंडर-14 वर्ग में प्रतीक ने श्रेष्ठ खेल का परिचय देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, विरेन्द्र सिंह दूसरे और प्रतीक वर्मा तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-17 वर्ग में अमन ने निर्णायक जीत दर्ज करते हुए प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया। इस वर्ग में ललित कुमार द्वितीय और ईश्वर सिंह तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के समापन पर विद्यालय प्राचार्य डॉ. विजेन्द्र साहू ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शतरंज जैसे खेल न केवल बौद्धिक विकास में सहायक हैं, बल्कि अनुशासन, धैर्य और रणनीति जैसे गुण भी छात्रों में विकसित करते हैं। इस अवसर पर डीपीई जसवंत सिंह, विनोद कुमार रंगा, सुरेश कुमार, संजय कुमार धारनिया, अमनप्रीत और कैलाश चंद्र भी मौजूद रहे। सभी ने आयोजन की सफलता में सक्रिय भूमिका निभाई।

भूना। शतरंज प्रतियोगिता विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए प्रिंसिपल व अन्य।

शतरंज में रितेश ने मारी बाजी

टोहाना। रेलवे रोड स्थित महाराजा अग्रसेन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एकदिवसीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान शुभारंभ स्कूल प्रिंसिपल डॉ. गणेश कौशिक व एडमिनिस्ट्रेटर अमिषा गर्ग ने संयुक्त रूप से इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए किया। उन्होंने बताया कि विद्यालय की खेल प्रशिक्षक शतरंज सतीश कुमार की अगुवाई में अंडर 11, अंडर 14, अंडर 17 और अंडर 19 विद्यार्थियों के बीच अंतर विद्यालय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन सभी स्पर्धा में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। प्रिंसिपल डॉ. गणेश कौशिक ने बताया कि अंडर 11 में रितेश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा अंडर 14 में दीपेश प्रथम रहे वहीं अंडर 17 में मुकुल व अंडर-19 में समीक्षा ने अपने खेल प्रदर्शन का कौशल दिखाते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सिरसा। शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।

राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में शतरंज दिवस पर हुई प्रतियोगिता

सिरसा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बप्पां में शतरंज दिवस पर शतरंज प्रतियोगिता हुई, जिसमें लगभग 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी दूरदर्शिता, रणनीति एवं एकाग्रता का परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य शुभकरण शर्मा ने किया। इस मौके पर अध्यापक नरेश ग्रोवर ने कहा कि शतरंज एक ऐसा खेल है जो बच्चों में धैर्य, तर्कशक्ति, योजनाबद्ध सोच और समस्या-समाधान जैसी क्षमताओं का विकास करता है। इस प्रतियोगिता ने न केवल विद्यार्थियों को आनंदित किया, बल्कि उन्हें सीखने की नई दिशा भी प्रदान की। विद्यार्थियों ने इस आयोजन को अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक बताया तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की आशा व्यक्त की। विद्यालय परिवार की ओर से शिक्षा विभाग को इस सकारात्मक पहल के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया और आश्वस्त किया गया कि आगे भी इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों के मानसिक और बौद्धिक विकास को मजबूती दी जाती रहेगी।

सिरसा। हड़ताल को लेकर बैठक करते बिजली कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

9 की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भाग लेंगे बिजलीकर्मी

शनिवार को ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन की खारियां सब डिवीजन में बैठक आयोजित, राज्य उपप्रधान बाबू लाल व राज्य प्रेस सचिव सुखदेव सिंह उपस्थित रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

आगामी 9 जुलाई की प्रस्तावित राष्ट्र व्यापी हड़ताल को लेकर शनिवार को ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन की खारियां सब डिवीजन में बैठक हुई। इस मौके पर राज्य उपप्रधान बाबू लाल, राज्य प्रेस सचिव सुखदेव सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि केंद्र सरकार पूरे देश के बिजली ढांचे को बड़े-बड़े पूंजी पत्तियों के हाथों में सौंपने का काम कर रही है, उन्हें सस्ते दामों पर बड़े मुनाफे के लिए अपने चाहतों कंपनियों को जनता व कर्मचारी के विरोध के वजूद भी जबरदस्ती निजी हाथों देने का काम कर रही है बिजली क्षेत्र प्राइवेट कंपनी ऊपर जाने के बाद बिजली गरीब व आम आदमी की पहुंच से बाहर हो जाएगी।

बिजली पर प्राइवेट कंपनियों का कब्जा होने के बाद देश का औद्योगिक क्षेत्र बर्बाद होने की कगार पर पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि बिजलीकर्मियों की मांगों को लेकर किसान, मजदूर, कर्मचारी, व्यापारी व आम जनता आगामी 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्य अभियंता पंचकूला के कार्यालय के बाहर कर्मचारियों की मांगों को लेकर आगामी 7 जुलाई को प्रदर्शन करने का नोटिस दिया गया था। इस मौके पर सुरजीत सिंह बेदी, लखबीर सिंह, मदन लाल, शमशेर सिंह, प्रोमिला, राजेश बिशला, रमेश गोस्वामी, अशोक, राजकुमार, कुलदीप, अनिल, सुल्तान, प्रवीन सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

दलित विरोधी नीतियों को बढ़ावा दे रही सरकार: कृष्ण जमालपुर

- चोपटा स्थित धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ⏭ चोपटा

बहुजन समाज पार्टी हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष कृष्ण जमालपुर ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है कि आजादी के 75 वर्षों बाद भी दलित प्रतिनिधि अपने समाज के नहीं, बल्कि पार्टी के एजेंडे के प्रतिनिधि बनकर रह गए हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर द्वारा दलितों की सबसे बड़ी राजनीतिक हार बताए गए पूना पैक्ट के दुष्परिणाम आज भी दलित समाज भुगत रहा है। चोपटा स्थित धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में कृष्ण जमालपुर ने कहा कि हरियाणा के सामाजिक न्याय राज्यमंत्री कृष्ण बेदी और भाजपा नेता कृष्ण लाल पवार आरएसएस की विचारधारा के पोषक हैं और डॉ.अंबेडकर की विरासत का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एमडीयू सहित अनेक संस्थानों में दलितों के लिए आरक्षित पद खाली पड़े हैं या जानबूझकर उन्हें भरने में बाधा डाली जा रही है। बीएसपी नेता ने कहा कि सत्ता में बैठे तथाकथित दलित नेता अब अंबेडकरवाद के अनुयायी नहीं सत्ता के दलाल बन गए हैं। दलित समाज को रेवड़ियां नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकार चाहिए। उन्होंने मांग की कि विश्वविद्यालयों में आरक्षण नीति की सख्ती से पालना हो, वर्ष 1976 से अब तक का वास्तविक रोस्टर सार्वजनिक किया जाए, बैकलॉग भर्तियों को प्राथमिकता से भरा जाए और दलित समाज को प्रशासनिक पदों पर समान अवसर मिले। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जवाब नहीं दिया तो दलित समाज सडक़ों पर और चुनावों में इसका माकूल जवाब देगा। इस मौके पर एडवोकेट रविंद्र बाल्यान, रामसिंह प्रजापति, प्रेम राठी, धर्मपाल माखोसरानी, भूषण बराड़, प्रदीप कागदाना, रामधन बौद्ध, पुष्पेंद्र शास्त्री, प्रभाती रुपाणा व अन्य मौजूद थे।

चौपटा। बैठक को संबोधित करते बसपा के प्रदेशाध्यक्ष कृष्ण जमालपुर।

कर्मचारी व मजदूर 1 को करेंगे ऐतिहासिक हड़ताल: चाहर

- हरियाणा रोडवेज कर्मचारी रोडवेज का करेंगे चक्का जाम
- सरकार कर्मचारियों, किसानों, मजदूरों के हितों के साथ कुठाराघात कर रही: चाहर
- हड़ताल में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने की अपील

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

रोडवेज यूनियन के प्रदेश प्रवक्ता पृथ्वी सिंह चाहर ने नियमित व अनियमित कर्मचारियों को ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर आगामी 9 जुलाई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि हरियाणा रोडवेज के तमाम कर्मचारी हड़ताल में शामिल होंगे और रोडवेज का चक्का जाम करेंगे। हरियाणा सरकार ने यूपीएस लागू करने का ऐलान कर दिया है। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष को पत्र के माध्यम से आगामी 9 जुलाई को होने जा रही राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि जो भी पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे पर संघर्ष करना चाहते हैं उन्हें इस हड़ताल में पूरी ताकत के साथ भाग लेना चाहिए।

लेबर कोड्स के तहत न सिर्फ पेंशन का अधिकार ही खत्म किया जा रहा है, बल्कि संगठित होने, सामूहिक रूप से संगठित आंदोलन करने तक के अधिकार को ही कुचलने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा भी लेबर कोड्स के लागू होने से दासता की व्यवस्था लागू होगी।

चाहर ने कहा कि मौजूदा केंद्र व राज्य सरकार कर्मचारियों, किसानों, मजदूरों के हितों के साथ लंबे समय से कुठाराघात करके उनके हितों पर डाका डालने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों को लेकर व अपनी लंबित मांगों को लागू करवाने को लेकर प्रदेश भर के तमाम कच्चे पक्के कर्मचारी आगामी 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में बढ़चढ़कर भागेदारी करेंगे।

न्यूज डायरी

दुकान में चोरी के आरोपी को कुछ ही घंटों में दबोचा

फतेहाबाद। अपराधियों की धरपकड़ को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत फतेहाबाद पुलिस ने दुकान में चोरी के मामले में आरोपी को कुछ ही घंटों में काबू करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए युवक की पहचान प्रवीन कुमार पुत्र हंसराज निवासी आदमपुर के रूप में हुई है। आरोपी के पास से एक हजार रुपये की नकदी बरामद की है। उसे माननीय अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया जाएगा। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 3 जुलाई को हेमंत कुमार पुत्र प्रभुदयाल निवासी डीएसपी रोड फतेहाबाद की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार चोर उसकी दुकान में घुसकर वहां से 2500 रुपये की नकदी चोरी कर ले गया है। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया और आरोपी बारे अहम सुराग जुटाते हुए उसे रतिया पुल, फतेहाबाद के पास से गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है।

मिकी माउस के संग बच्चों ने पार्टी का उठाया लुत्फ

टोहाना। भूना रोड स्थित सेंट जोसफ इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा नर्सरी से तृतीय तक के बच्चों के लिए एक मजेदार आइसक्रीम पार्टी का आयोजन किया गया। स्कूल प्राचार्या मारियालीन लईस ने बताया कि यह पार्टी बच्चों के लिए एक मजेदार गतिविधि थी और गर्मी से राहत पाने का एक शानदार तरीका था। बच्चों ने विभिन्न स्वादों की आइसक्रीम का आनंद लिया और पार्टी में खूब मस्ती की। उन्होंने कहा कि आइसक्रीम पार्टी के दौरान बच्चों का मनोरंजन करने लिए मिकी माउस भी बुलाया गया। मिकी माउस को देखकर बच्चे बहुत खुश थे। मिकी माउस के साथ बच्चों ने डांस भी किया। इस दौरान बच्चों ने म्यूजिक का आनंद भी लिया। उन्होंने कहा कि आइसक्रीम बच्चों को बहुत पसंद होती है और इस तरह की पार्टियां बच्चों के लिए एक यादगार अनुभव होती हैं। इस तरह की गतिविधियां बच्चों को स्कूल में खुश और प्रेरित रखने में मदद करती हैं। इस अवसर पर किंडर गार्टन की सभी अध्यापिकाएं उपस्थित रही।

एनएसयूआई ने जीएम से की रोडवेज चालक की शिकायत

फतेहाबाद। छात्र संगठन एनएसयूआई फतेहबाद ने रोडवेज बस चालक के खिलाफ हरियाणा रोडवेज के महाप्रबंधक अजय दलाल को ज्ञापन सौंपकर चालक के तबादले की मांग की। इस संज्ञान लेते हुए महाप्रबंधक ने तुरंत प्रभाव से चालक का ट्रांसफर कर दिया। यह जानकारी देते हुए एनएसयूआई के हरियाणा प्रदेश सचिव अखिल प्रभात व जिला प्रधान अजय ढ़ाका ने बताया कि काफी समय से छात्रों व रोडवेज यात्रियों की शिकायत मिल रही थी कि उक्त बस चालक मनमानी से बस चलाता है और छात्रों व यात्रियों से दुव्यवहार करता है। बस को नियमानुसार व समयानुसार नहीं चलाता था, जनसमस्याओं को देखते हुए एनएसयूआई ने इसकी शिकायत महाप्रबंधक को की थी। इस पर महाप्रबंधक ने चालक का ट्रांसफर कर दिया है। इस अवसर पर विक्रम झांझड़ा, साहिल बेदी, लक्ष्य महिया, अमित बिश्नोई, सुमित बिश्नोई, प्रीतम, मोनू शर्मा, अंकुश लेगा, सौरभ बिका सहित अनेक साथी मौजूद रहे।

बैडमिंटन प्रतियोगिता में द आर्यन स्कूल के विद्यार्थी छाए

सिरसा। जिला स्तरीय बैडमिंटन ट्रायल में द आर्यन स्कूल के 8वीं कक्षा के छात्र अर्जुन व प्रणीत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रोहतक में आयोजित होने वाली हरियाणा ओपन बैडमिंटन स्टेट चैंपियनशिप में अपना चयन करवाकर अपने अभिभावकों व जिले का नाम रोशन किया। स्कूल डायरेक्टर अनिल गोयल, राकेश गोयल, चारू गोयल, प्रिंसिपल श्वेता माहेश्वरी, मीनू व स्पोर्ट्स हैड अनिल चौधरी ने दोनों विद्यार्थियों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेल मनुष्य जीवन का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा कि खेल न केवल हमें शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी परिपक्व बनाते हैं। उन्होंने कहा कि द आर्यन स्कूल बेहतर शिक्षा के साथ-साथ स्पोर्ट्स अकेडमी ऑफ इंडिया के साथ मिलकर खेलों में भी विद्यार्थियोंको पारंगत बना रहा है। विद्यार्थियों की रूचि के अनुसार उन्हें खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है, ताकि वे शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी अपना भविष्य स्वर्णिम बना सकें।

शहर में बीज किए वितरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद शहर को हरा भरा बनाने के लिए घरों में ही बीज तैयार करके अब उसके वितरण का कार्य शुरू हो गया है। जीटी रोड के साथ लगती दुकानदारों को आज बीज वितरित कर इस अभियान की शुरूआत की गई ताकि दुकानदार अपनी दुकानों के आगे फूल वाली बेल लगाएं और शहर में विभिन्न प्रकार के फूल देखने को मिले। इसके साथ फतेहाबाद शहर हरा भरा हो सके। महेंद्र कुमार धारनिया एडवोकेट ने बताया कि विभिन्न प्रकार की फूल वाली बेल व फूल वाले पौधों के बीज वितरण का कार्य अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगा। उनका प्रयास शहर में हरियाली को बढ़ाना है।

धार्मिक ग्रंथ बेहतर इंसान बनने की देते प्रेरणा: ललित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवनकाल में कई दुष्ट दैत्यों और राक्षसों का वध किया, जो धर्म और सत्य के विरोधी थे। इन वधों के पीछे गहरे आध्यात्मिक और नैतिक अर्थ छिपे हैं, जो हमारे जीवन पर भी प्रभाव डालते हैं। सेक्टर-20 स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर के 15वें स्थापना दिवस समारोह पर आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण साप्ताहिक कथा के छठे दिन वृंदावन से आए कथा व्यास ललित किशोर व्यास ने भगवान विष्णु के श्रीकृष्ण अवतार की कथा के दौरान उक्त उद्गार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बालकृष्ण ने शकटासुर को लात मारकर नष्ट किया क्योंकि शकटासुर जीवन में आने वाली बाधाओं और आलस्य का प्रतीक है। यह दर्शाता है कि छोटे-छोटे प्रयासों से भी बड़ी बाधाओं को दूर किया जा सकता है। इसका आध्यात्मिक अर्थ है कि हमें अपने लक्ष्यों के प्रति दृढ़ रहना चाहिए और बाधाओं को छोटा समझकर उनसे पार पाना चाहिए। इसी प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने तृणावर्त, बकासुर, अघासुर वध किया तथा कालिया नाग का घमंड का मर्दन किया। ये सभी राक्षस पाप और लालच के प्रतीक थे इसलिए इनका विनाश जरूरी था। इसलिए जीवन में हमें लालच और अनैतिकता से बचना चाहिए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर ट्रस्ट के उपप्रधान भारत भूषण ऐलावादी, पूर्व प्रधान वीके गर्ग, कोषाध्यक्ष दीपक गुप्ता, सचिव ऋषि शर्मा, सह सचिव मेघनाथ शर्मा, बलबीर सिंह बेनिवाल सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद थे।

बीएड कॉलेज की नई मुहिम-एडमिशन के साथ विद्यार्थी को मिलेगा 'एक पौधा'

- लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से लिया फैसला

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

पर्यावरण संरक्षण को लेकर मनोहर मैमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्वारा एक नई मुहिम की शुरूआत की गई है। लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कॉलेज प्रबंधक समिति ने फैसला लिया है कि इस बार जो भी विद्यार्थी कॉलेज में एडमिशन लेगा, उसे एक पौधा भेंट किया जाएगा ताकि शिक्षा के दौरान वह इस पौधे को लगाकर उसकी देखभाल करें। इस मुहिम की शुरूआत आज कॉलेज में कार्यवाहक प्रिंसीपल डॉ. गुंजन बजाज ने कॉलेज में एडमिशन लेने आए विद्यार्थियों को पौधा वितरित करते हुए कही। इसका सुझाव कॉलेज खेल विभाग के इंचार्ज पुनीत कुमार ने दिया, जिसका सभी स्टाफ सदस्यों ने समर्थन किया। इस नई पहल को लेकर कॉलेज में विद्यार्थियों में भी उत्साह नजर आया और उन्होंने भी इस मुहिम की सराहना करते हुए पौधारोपण कर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया। डॉ. गुंजन बजाज ने कहा कि आज विकास की चकाचौंध में तेजी से पेड़ों को काटा जा रहा है, जिस कारण वन क्षेत्र लगातार कम हो रहा है। पर्यावरण से छेड़छाड़ का ही परिणाम है कि आज प्राकृतिक आपदाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं।

फतेहाबाद। एमएम कॉलेज ऑफ एजुकेशन में विद्यार्थियों को पौधा भेंट करते कार्यवाहक प्रिंसीपल डॉ. गुंजन बजाज। फोटो : हरिभूमि

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान का स्वास्थ्य जाग्रति कार्यक्रम आयोजित

बीमारियों से सुरक्षा ही योग का उद्देश्य: विज्ञानानंद

- भारतीय संस्कृति की उत्कृष्ट विरासत योग की महानता से कराया परिचित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान ने स्वास्थ्य जाग्रति कार्यक्रम आरोग्य के अंतर्गत विशाल विलक्षण योग शिविर का आयोजन किया, जिसमें संस्थान की ओर से योगाचार्य स्वामी विज्ञानानंद ने भारतीय संस्कृति की उत्कृष्ट विरासत योग की महानता से परिचित कराते हुए योग साधकों को बताया कि योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है, यह तन, मन और आत्मा की एकात्म अवस्थ का परिचायक है, मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य है, संयम और पूर्तिप्रदायक तथा स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को भी प्रदान करने वाला है। उन्होंने कहा कि हमारी परिवर्तनशील जीवन-शैली में यह चेतना बनकर, हमें जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि वस्तुतः संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने दिसंबर 2014 में प्रतिवर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का संकल्प पारित किया। स्वामी जी ने बताया कि आज मूलतः कुछ योगासनों और प्राणायामों को ही संपूर्ण योग पद्धति स्वीकार कर लिया जाता है। जब कि ऐसा नहीं है। योग शब्द संस्कृत की युज धातु से बना है। जिसका अर्थ होता है जुड़ना। अर्थात हमारे तन, मन और आत्मा की एकात्म अवस्था ही योग है। महर्षि पतंजलि ने योग की परिभाषा देते हुए कहा है कि योगः चित्त वृत्ति निरोधः अर्थात चित्त की वृत्तियों का निरोध ही योग है। फिर ही योगः कर्मसु कौशला की अवधारणा सिद्ध होती है। स्वामी जी ने पातंजलि योग सूत्र के अनुसार साधकों को ताड़ासन, दण्डासन, कटिचक्रासन, अद्र्ध चंद्रासन, द्विचक्रिकासन, भुजंगासन, नाड़ीशोधन, अनुलोम विलोम प्राणायाम इत्यादि का विधिवत अभ्यास करवाते हुए इनके वैज्ञानिक पक्ष द्वारा दैहिक लाभों से परिचित भी करवाया।

सिरसा। शिविर में योग क्रियाएं करते हुए साधक। फोटो : हरिभूमि

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत खैरपुर में कण्डम बस स्टैण्ड की नीलामी **दिनांक 15 जुलाई 2025** को सुबह 11:00 बजे पंचायत घर, गांव खैरपुर में करवाई जाएगी। बोली की जमानत राशि 5000/- होगी। शेष शर्तें मौके पर बता दी जाएंगी।

-सरपंच, ग्राम पंचायत खैरपुर खंड नागपुर, जिला फतेहाबाद
मो. 98129-00889

खबर संक्षेप

लायंस क्लब रतिया सिटी ने किया पौधरोपण

रतिया। लायंस क्लब रतिया सिटी द्वारा क्लब के जिला चेयरमैन गोपाल चंद्र कुलरिया के जन्म दिवस के अवसर पर केक काटकर शुभकामनाएं दी गई और उनके फॉर्महाउस पर पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर गोपाल चंद कुलरिया ने कहा कि हर व्यक्ति को पौधारोपन जरूर करना चाहिए। पौधारोपण के साथ-साथ पेड़-पौधों की देख-रेख भी जरूरी है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ती गर्मी में ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाने चाहिए ताकि हमारा पर्यावरण सही रहे। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष हरवीर जोड़ा, राजू अरोड़ा, नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष विजय ग्रोवर, शिव कुमार, सतीश सरदाना, राजकुमार खंडू ,राधेश्याम मेहता सहित अन्य मौजूद रहे।

ओम नमः शिवाय महामंत्र जाप का शुभारंभ 11 से

फतेहाबाद। चार मरला कॉलोनी श्री गौरी शंकर मंदिर फतेहाबाद में श्रावण महीने के पावन अवसर पर ओम नमः शिवाय महामंत्र का जाप 11 जुलाई से 9 अगस्त तक रोजाना सायं 5:30 बजे से 6:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए श्री गौरी शंकर मंदिर के संचालक चंद्रशेखर मिश्रा ने बताया कि हर वर्ष बड़ी ही आस्था के साथ सावन महीने के पावन अवसर पर ओम नमः शिवाय महामंत्र के जाप का आयोजन किया जाता है, जिसमें काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंच करके श्री गौरी शंकर भगवान की महिमा का गुणगान करते हैं। विधिवत पूजा अर्चना के साथ ओम नमः शिवाय महामंत्र का जाप किया जाता है। संचालक चंद्रशेखर मिश्रा ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी 11 जुलाई से 9 अगस्त तक ओम नमः शिवाय महामंत्र का जाप रोजाना शाम 5:30 बजे से 6:30 तक जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि 23 जुलाई को श्रावणी शिवरात्रि महोत्सव भी बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। श्री गौरी शंकर मंदिर के संचालक चंद्रशेखर मिश्रा ने शिवरात्रि पर जलाभिषेक के बारे बताया कि एक लोटा जल हर समस्या का हल है।

पुलिस ने चोरी के दूसरे आरोपी को भी दबोचा

फतेहाबाद। भूना पुलिस ने चोरी के एक मामले में फरार चल रहे दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान बिट्टू सिंह उर्फ फौजी, निवासी एमपी सोतार के रूप में हुई है।
उल्लेखनीय है कि इस मामले में एक अन्य आरोपी हरि सिंह उर्फ हरिया को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। थाना भुना प्रभारी इंस्पैक्टर सुरेन्द्रा ने बताया कि विंदर सिंह पुत्र रामदास नम्बरदार, निवासी मोहम्मदपुर सौंथ ने शिकायत दी थी कि वह मोहम्मदपुर में दहिया सैटरिंग स्टोर नामक दुकान चलाता है। 17 अप्रैल की रात करीब 7:55 बजे अज्ञात व्यक्तियों ने उसकी दुकान का ताला तोड़कर लगभग 6 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली थी। चोरी की यह घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में कैद हो गई थी। पीड़ित द्वारा प्रस्तुत वीडियो और फोटो साक्ष्यों के आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान की गई। वारदात के दौरान दुकान में मौजूद एक मजदूर ने उन्हें रंगे हाथ पकडने का प्रयास भी किया, लेकिन आरोपी मौके से फरार हो गए थे।

सैकड़ों एकड़ फसल डूबी, ग्रामीणों का आरोप प्रशासन ने नहीं ली सुध

पानी छोड़ते ही टूटा धोतड़-खारिया खरीफ चैनल, साले की मौत, बहनोई घायल

दरार में मोटरसाइकिल फंसने से हादसा।मृतक जिला नागरिक अस्पताल में स्वीपर के पद पर कार्यरत था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। ओवरफ्लो होने से टूटा माइनर। फोटो : हरिभूमि

जिला के गांव धोत्तड़ के पास घग्घर नदी से निकलने वाले खरीफ चैनल में टूटने से जहां सैकड़ों एकड़ फसल डूब गई, वहीं दरार में मोटरसाइकिल फंसने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। मृतक जिला नागरिक अस्पताल में स्वीपर के पद पर कार्यरत था। जानकारी के अनुसार सिरसा में घग्गर नदी उफान पर चल रही है। ऐसे में जगह-जगह पर नदी के तटबंध खस्ता हालत में होने के कारण टूट जाते हैं। इसके चलते फसलें तबाह होने के साथ-साथ हादसे एवं नुकसान की आशंका भी हो जाती है। शनिवार अलसुबह धोतड़ गांव के निकट घग्गर से निकलने वाले खरीफ चैनल में दरार आ गई। रोड के नीचे दलदल हो गई। गांव धौतड़ के संदीप का बाइक भी सडक धंसने से दलदल में फंस गया। हादसे की सूचना पर सभी ग्रामीण इकट्ठा हो गए और प्रशासन और सिंचाई विभाग के खिलाफ रोष जताते हुए नारेबाजी की। सूचना पर पुलिस और सिंचाई विभाग से जेई भी मौके पर पहुंचे।

तब तक वहां के आसपास की सैकड़ों एकड़ से ज्यादा फसल जलमग्न हो गई। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और मृतक के शव को अपने कब्जे में लिया।

मृतक 30 वर्षीय संदीप सिरसा के सिविल अस्पताल में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत था। शुक्रवार को वह डबवाली के चौटाला गांव में ननिहाल पक्ष की ओर से किसी रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए गया था। वहां से वह अल सुबह करीब 4 बजे चौटाला गांव से अपने गांव की ओर रहा था। संदीप ने जाते समय बताया कि उसे शनिवार सुबह सिविल अस्पताल में ड्यूटी पर जाना है। इसलिए अभी जाना पड़ेगा। उसका बहनोई गांव बकरियांवाली निवासी सुखेदव भी साथ में था।

ग्रामीणों ने प्रशासन पर जड़े आरोप

ग्रामीण महेंद्र, रामसिंह बोले कि रातभर से प्रशासन से कोई अधिकारी या कर्मचारी नहीं है। हमने ही अपने स्तर पर मशीनों से मिट्टी डलवाकर पानी को रोका है। पाइपें उखाडने के बाद कच्चा रास्ता छोड़ दिया, जिस कारण माइनर टूटने से हुए इस हादसे में गांव के युवक की मौत हो गई। पहले ही पता था कि माइनर में पहला पानी आएगा तो कच्चा होने से टूट सकती है। मगर प्रशासन ने कोई सुध नहीं ली। इसका जिम्मेदार कौन है। प्रशासन हमें लिखित में आश्वासन दे कि युवक संदीप की मौत का कौन जिम्मेदार है और प्रशासन क्या कदम उठाएगा। उल्लेखनीय है कि बरसाती सीजन में घग्गर नदी में जलस्तर बढ़ रहा है। इसके चलते 8 हजार क्यूसेक पानी चल रहा है। इस कारण लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। सबसे ज्यादा किसानों के लिए मुश्किलें बढ़ती जा रही है। कई बार पहले भी घग्गर नदी टूट चुकी है। हर साल घग्गर टूटती है और खेत जलमग्न होने से नुकसान होता है।

ये बोले सरपंच

गांव सरपंच राजेश ने बताया कि हाल ही में जिला प्रशासन की ओर से सभी माइनर से पानी की पाइपें निकाली गई थी। उस समय सडक को जेसीबी से उखाडकर पाइपें तो निकाल ली गई, लेकिन वो मिट्टी से ही नहीं की गई और सडक पर कंक्रीट नहीं डाले गए। वो कच्चा छोड़ दिया गया, जिस कारण माइनर से पानी रिसाव हो गया। ऐसा कई जगह पर हाल है। यह पाइपें ग्रामीणों की ओर से पानी सिंचाई के लिए निकाली गई थी।

फतेहाबाद। गांवों में लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करते नशामुक्ति टीम सदस्य।

पुलिस ने गांवों में नशे के खिलाफ किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के दिशा-निर्देशन में फतेहाबाद पुलिस की नशा मुक्ति टीम द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एसआई सुन्दर मुसाफिर के नेतृत्व में आज फतेहाबाद नशा मुक्ति टीम द्वारा गांव धांगड़, बीराबदी, खूनन एवं अयालकी में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। टीम ने इन गांवों में नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्प्रभावों तथा इसके सामाजिक व पारिवारिक परिणामों के प्रति जागरूक किया, साथ ही नशा त्यागने हेतु प्रेरित भी किया। अभियान के दौरान गांव धांगड़ में एक नव-चिन्हित, बीराबदी में दो नव-चिन्हित, खूनन में 17 पूर्व-चिन्हित तथा अयालकी में 6 पूर्व-चिन्हित ड्रग पीड़ितों के डोजियर फॉर्म भरकर आवश्यक जानकारी संकलित की गई। सभी पीड़ितों की काउंसलिंग कर उन्हें मानसिक रूप से सशक्त किया गया ताकि वे नशे से दूर रहने का संकल्प ले सकें। काउंसलिंग के उपरांत टीम द्वारा सभी चिन्हित पीड़ितों को होम्योपैथिक एवं आयुर्वेदिक औषधियां निःशुल्क उपलब्ध कराई गई, जिससे वे उपचार की दिशा में आगे बढ़ सकें। यह प्रयास न केवल उन्हें नशा छोडने की ओर प्रेरित करेगा, बल्कि उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में भी सहायक सिद्ध होगा। एसपी ने आमजन से अपील की है कि वे नशे जैसी सामाजिक बुराई के विरुद्ध आगे आएं। यदि उनके आस-पास कोई नशा पीड़ित व्यक्ति हो, तो उसकी सहायता हेतु पुलिस अथवा नशा मुक्ति टीम से संपर्क करें। हम सभी मिलकर ही एक नशा मुक्त समाज बना सकते है।

डीएवी पुलिस स्कूल में मनाया वन महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। डीएवी पुलिस स्कूल में विद्यार्थियों के साथ पौधारोपण करते प्रिंसीपल।

पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में 1 से 7 जुलाई तक चल रहे वन महोत्सव के अंतर्गत आज विद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा पौधारोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में सर्वप्रथम विद्यालय प्रांगण में प्रधानाचार्या द्वारा अमरूद, जामुन व आम जैसे फलदार पौधों के रोपण से हुई। 'एक पेड़ माँ के नाम' मुहिम के अंतर्गत एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विद्यालय परिसर एवं उसके आसपास हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। प्रिंसीपल अमिता सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पेड़-पौधे न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवनदायी वातावरण का निर्माण करते हैं। इस अवसर पर विद्यालय की एनएसएस प्रभारी राम बिलास शास्त्री ने बताया कि इस अभियान में सभी शिक्षकों एवं स्वयसेवकों की सक्रिय भागीदारी रही। इस अवसर पर विद्यालय की एनसीसी विंग के कैडेट्स ने भी पौधारोपण किया वहीं पर्यावरण से संबंधित पोस्टर भी बनाए। एनसीसी इंचार्ज कीर्तिका के मार्गदर्शन में अभियान चला।

रिक्शा स्टैंड उपलब्ध करवाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

रतिया। रिक्शा स्टैण्ड की मांग करते चालक।

ई रिक्शा व ऑटो रिक्शा चालकों ने आज शहर के नए बस स्टैंड के बाहर एकत्रित होकर रिक्शा स्टैंड की मांग की है। रिक्शा चालकों ने कहा कि बस स्टैंड से तहसील परिसर, महिला महाविद्यालय, खालसा कॉलेज, शहर के विस्तार के साथ साथ अन्य कालोनियां बहुत दूर है।

शहर की आबादी के साथ ऑटो रिक्शा की बहुत जरूरत रहती है। शहर में इन ऑटो रिक्शा को रुकने के लिए कोई स्टैंड नहीं है, जिससे रिक्शा चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

क्योंकि रिक्शा चालकों को अपनी रिक्शा रोड पर खड़े करने पड़ते है, जिससे यातायात प्रभावित होता है। पिछले दिनों भी रिक्शा चालकों के चालान भी काटे गए, जिससे रिक्शा चालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

निजी अस्पताल संचालक को जान से मारने की धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार, केस

फतेहाबाद। मॉडल टाऊन स्थित गगन मैमोरियल अस्पताल के संचालक डॉ. दलीप तंवर को मोबाइल पर वीडियो बनाकर जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को शहर फतेहाबाद पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से धमकी देने में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। पूछताछ के उपरांत आरोपी को पुलिस जमानत पर रिहा कर दिया गया है। यह कार्रवाई डीएसपी अर्बन जयपाल सिंह के मार्गदर्शन में की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना शहर पुलिस ने तुरंत जांच प्रारंभ कर आरोपी को चिन्हित करते हुए गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी ओम प्रकाश ने बताया कि कुछ दिन पूर्व निजी अस्पताल संचालक डॉ. दलीप सिंह को आरोपी सीता राम पुत्र भंडारी प्रसाद निवासी ढाणी माजरा द्वारा मोबाइल पर वीडियो बनाकर जान से मारने की धमकी दी गई थी। घटना की सूचना मिलते ही बस अड्डा चौकी प्रभारी सुशील कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई कर पकड़ा।

कॉपरेटिव बैंक ने अयाल्की में मनाया ऋण उत्सव, 24 महिलाओं को दिए स्वीकृति पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

कॉपरेटिव बैंक फतेहाबाद द्वारा गांव अयाल्की स्थित शाखा में ऋण उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर कॉपरेटिव बैंक के चेयरमैन नरेश तनेजा टीटू ने भाग लिया। उन्होंने जेएलजी स्कीम के तहत स्वीकृत ऋणों के स्वीकृति पत्र पात्र लोगों को प्रदान किए। कार्यक्रम में गांव अयाल्की की 24 महिलाओं को इस स्कीम के तहत व गांव हमजापुर की दो डेयरियों के ऋण स्वीकृत किए गए हैं। चेयरमैन नरेश तनेजा टीटू ने सभी लाभपात्रों को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने जिस उद्देश्य से यह ऋण लिया है, वह इसका सदुपयोग करें। उन्होंने कहा कि कॉपरेटिव बैंक का उद्देश्य लोगों की आर्थिक सहायता कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है। बैंक के सहायक प्रबंधक महेन्द्र सिंह ने महिलाओं को दिए गए ऋण व अन्य योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर शाखा स्टाफ के साथ मुख्यालय से ऋण प्रभारी अमित पूनिया, जितेन्द्र जोड़ा सहित अन्य मौजूद रहे।

जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी ने विद्यार्थियों को भेंट किए आईडी कार्ड

सिरसा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के जिला अधिकारी रामनाथ ने शिरकत की। रामनाथ ने कहा कि उनकी पूर्ण शिक्षा सरकारी स्कूल और कॉलेज से ही हुई है तथा उन्होंने अपनी मेहनत और लग्न के बदौलत इस पद को हासिल किया। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों के मार्गदर्शन में सही दिशा में प्रयास किया जाए तो निश्चित ही सफलता आपके कदम चूमेगी। इस अवसर पर उन्होंने ये भी विश्वास दिलाया कि भविष्य में इस शिक्षा के मंदिर से जुड़ा रहूंगा और हर संभव सहयोग के लिए तत्पर रहूंगा। विद्यालय प्राचार्य नीरज पाहुजा ने जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी रामनाथ व गांव मम्मड़ खेड़ा से आए हुए सभी गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि विद्यालय में पढ़ाई के अतिरिक्त विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न गतिविधियों में भी बढ़ चढकर भाग लिया जाता है।

जैन समाज ने पूर्व सांसद को ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

■ एडिशनल धर्मशाला के अनुदान के लिए पूर्व सांसद दुग्गल से की मुलाकात

जैन समाज ने अनाज मंडी रोड स्थित जैन धर्मशाला की एडिशनल बिल्डिंग के निर्माण के लिए हरियाणा सरकार और बीजेपी के राज्यसभा सदस्यों से अनुदान दिए जाने को लेकर बीजेपी की पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल को ज्ञापन सौंपा है। जैन समाज के प्रधान संजू जिंदल, जिला प्रधान राजेंद्र मित्तल, अनिल जैन, राजेश जैन, चंद्र जैन, मोहन जैन, निर्मल जैन, गोमा जैन, पदम जैन, धनीराम जैन, अश्वनी जैन, सुरेंद्र जैन, डॉ. नरेश गोयल, विनोद जैन, निशांत जैन व अन्य सदस्यों ने पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल को बताया कि जैन समाज द्वारा मंडी रोड पर जैन स्थानक के साथ जैन धर्मशाला निर्मित की गई है, जिसमें बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के रुकने के लिए व्यवस्था की गई है लेकिन समय के अनुसार अब श्रद्धालुओं की संख्या दिन व दिन बढ़ती जा रही है। इसके लिए जैन धर्मशाला में एडिशनल निर्माण कार्य करवाए जाने की आवश्यकता है इसलिए एडिशनल धर्मशाला के निर्माण कार्य के लिए हरियाणा सरकार और राज्यसभा सदस्यों से एडिशनल धर्मशाला के निर्माण के लिए 21 लाख रुपए का अनुदान जैन सभा को दिलवाया जाए। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने विश्वास दिलाया कि हरसंभव मदद की जाएगी।

फतेहाबाद पुलिस ने बाइक चोर गिरोह के दो सदस्यों को किया काबू, तीन वाहन चोरी करने की वारदातें कबूली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

वाहन चोरों की धरपकड़ करते हुए शहर थाना फतेहाबाद पुलिस ने वाहन चोर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवकों की पहचान शुभम पुत्र सुंदरलाल एवं रिंकू पुत्र सज्जन कुमार निवासी गांव नाढोडी, भूना के रूप में हुई है। आरोपियों से गहन पूछताछ के दौरान उन्होंने तीन मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों को स्वीकार किया है। थाना शहर प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि इस संबंध में अमन निवासी शेरपुरा, जिला सिरसा ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसने अपनी बाइक सुंदर नगर स्थित अपनी दुकान के बाहर खड़ी की थी,। वहां से अज्ञात व्यक्ति उसकी बाईक को चोरी कर ले गया है। इस बारे सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने एक मोटरसाइकिल 19 जून 2025 को योग नगर, फतेहाबाद से, दूसरी 12 अक्टूबर 2024 को अग्रोहा धाम परिसर से तथा तीसरी मोटरसाइकिल अक्टूबर 2024 में पुनः अग्रोहा धाम से चोरी की थी।

राज्यसभा सांसद ने लोगों की शिकायतें सुनकर समाधान के निर्देश दिए

सांसद बराला ने सरपंचों के साथ की विकास कार्य पर चर्चा

■ केंद्र व प्रदेश सरकार गांवों के विकास को लेकर प्रतिबद्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। सरपंचों के साथ विकास कार्यों को लेकर चर्चा करते सांसद सुभाष बराला।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शनिवार को भुना क्षेत्र के विभिन्न गांवों के सरपंचों से मुलाकात कर गांवों में चल रहे विकास कार्यों तथा भावी योजनाओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। इस दौरान उन्होंने नागरिकों की समस्याओं को भी गंभीरता से सुना, उनका कुशलक्षेम जाना और विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान हेतु मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने सरपंचों से मुलाकात करते हुए कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की नीतियां पूर्णतः गांवों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं, और गांवों की पंचायतों के सहयोग के साथ प्रत्येक गांव में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाते हुए कहा कि गांवों के समग्र विकास को लेकर किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी गांवों में समान रूप से विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है, ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग को योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूलमंत्र पर कार्य कर रही है, और इसके माध्यम से शासन को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है। राज्यसभा सांसद ने इस दौरान नागरिको की समस्याओं को सुना उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया।

लोगों का विश्वास व सहयोग ही प्रेरणा

उन्होंने कहा जनसेवा केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा है। क्षेत्र के लोगों का विश्वास और सहयोग ही उनकी प्रेरणा शक्ति है, और वे इसी समर्पण भाव के साथ निरंतर सेवा में रहेंगे। इस दौरान सरपंच घोटडू गुलाब सिंह, सरपंच दिगोह हरसिमरन, सरपंच ढाणी डुल्ट संदीप, सरपंच चौबारा जोगिंदर सिंह, सरपंच सांचला राजेन्द्र, सरपंच भोजराज राजेश, सरपंच बोस्ती सुखविंदर, सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने का आरोपी जयपुर एयरपोर्ट से काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। ठगी मामले में पकड़ा गया आरोपी।

नाथूसरी चौपटा थाना पुलिस ने विदेश भेजन के नाम पर 11 लाख की ठगी करने के मामले में ठगी के मुख्य आरोपी को जयपुर एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान प्रमोद पुत्र राकेश निवासी खारिया के रुप में हुई है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में अमित पुत्र सतपाल निवासी गिगोरानी द्वारा शिकायत दी गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि प्रमोद समेत राकेश, सुनीता, सीमा व सुभाष ने उसे विदेश भेजने के नाम पर 11 लाख की ठगी की। पूर्व में चार आरोपी राकेश, सुनीता, सीमा व सुभाष को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी प्रमोद के खाते में 2.70 लाख की राशि प्राप्त हुई थी, जिसकी बरामदगी हेतु उसे अदालत में पेश कर 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। रिमांड के दौरान पुलिस ने आरोपी से 35,000 की राशि बरामद की है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 6 जुलाई 2025

विशेष: विश्व जनसंख्या दिवस
11 जुलाई

पिछले दो-तीन दशकों में शहरी जनसंख्या के अनियंत्रित रूप से बढ़ने की वजह से लोगों का जीवन समस्याओं से घिरता जा रहा है। इससे साफ हवा-पानी की कमी, ट्रैफिक जाम, रहने के लिए असुविधाजनक आवास समेत कई तरह की परेशानियों के साथ लोग जीने के लिए बाध्य हैं। आने वाले वर्षों में उत्पन्न होने वाले गंभीर संकटों से बचने के लिए इन चुनौतियों पर गंभीरता से विचार करना होगा।

जीवन कठिन बना रही शहरों की बढ़ती जनसंख्या

कवर स्टोरी/शैलेंद्र सिंह

भारत में तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने लोगों के लिए आर्थिक अवसर तो पैदा किए हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि इससे लोगों के जीवन की गुणवत्ता में बहुत गिरावट आई है। यानी बढ़ते शहरीकरण ने शहरों में रहने वाले लोगों के जीवन को बहुत तकलीफदेह बना दिया है। ये पूरी दुनिया की समस्या नहीं बल्कि भारत और कुछ अन्य विकासशील देशों की ही है, जिसमें भारतीय उपमहाद्वीप में बांग्लादेश और पाकिस्तान भी शामिल हैं।

शहरों में नागरिक सुविधाओं की कमी

आजादी के बाद देश में तेजी से शहरीकरण बढ़ा और इस दौरान शहर, देश के आर्थिक अवसरों का केंद्र बन कर भी उभरे। लेकिन भारत में शहरों की तरफ गांवों से बहुत तेज पलायन हुआ, जिसने शहरों में जीवन जीने की स्थितियों को बहुत गहरे तक प्रभावित किया है। नागरिक सुविधाओं का देश के लगभग हर शहर में अभाव है। आज देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जो पूरी तरह साफ-सुथरा, खुला-खुला और नागरिक सुविधाओं से भरपूर हो। हर शहर में कुछ इलाके तो बहुत अच्छे हैं, लेकिन सभी शहरों के ज्यादातर हिस्से सुविधाओं की नजर से समस्याओं से ग्रस्त दिखते हैं। चाहे मुंबई हो, दिल्ली हो, बेंगलुरु हो या हैदराबाद। देश और दुनिया के ये बड़े-बड़े शहर आज बड़ी-बड़ी उपलब्धियों के गढ़ तो हैं, लेकिन इन बड़े शहरों में बहुसंख्यक लोग भीषण परेशानियों के बीच रह रहे हैं।

अनियोजित शहरीकरण

अपने देश में 80 के दशक के बाद से इतना तेज शहरीकरण हो रहा है कि देश का कोई भी शहर अपनी बढ़ने वाली जनसंख्या को ध्यान में रखकर नगर नियोजन का काम नहीं कर पा रहा है। हर शहर अगले 10 सालों तक जितनी

जनसंख्या का अनुमान लगाकर नियोजन करता है, जनसंख्या हमेशा उससे दो से तीन गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि भारत के सभी बड़े शहर अनियोजित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। यहां तक कि कानपुर, लुधियाना, भोपाल, अमृतसर, कोल्हापुर और राजकोट जैसे मझौले शहर भी जनसंख्या के दबाव से इस कदर अव्यवस्थित हो गए हैं कि इनकी आधारभूत संरचना के मुकाबले कई गुना ज्यादा इन पर जनसंख्या का दबाव है। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगर लाख प्रयासों के बावजूद पिछले कई दशकों में अपने शहर की झुग्गी बस्तियां नहीं खत्म कर सके और न ही इन झुग्गी बस्तियों को साफ पानी, सीवर या बिजली की सुविधा दे सके हैं।

बढ़ते ट्रैफिक में फंसे शहर

आवास और बिजली, पानी की समस्या तो शहरों में है ही, लगभग सभी शहर आज सबसे बड़ी जिस समस्या से जूझ रहे हैं, वह है-सड़कों पर वाहनों की बेतहाशा वृद्धि। अंधाधुंध बढ़े वाहनों के कारण बेंगलुरु और मुंबई जैसे शहर तो थम से गए हैं। बेंगलुरु में पीक आवर्स में सड़कों पर यातायात बिल्कुल रेंगता है। 10 किलोमीटर की दूरी अकसर लोग कार से डेढ़ से दो घंटे में तय कर पाते हैं। यहां की सड़कें बिल्कुल चोक्ड हो गई हैं, उन पर क्षमता से 300 फीसदी से ज्यादा वाहन दौड़ रहे हैं। इसीलिए आज वहां की सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक की है। इससे भी खराब दशा मुंबई की है। मुंबई में पीक आवर्स में सड़क यातायात की रफ्तार 5 से 10 किलोमीटर प्रतिघंटा होती है। कमोवेश सभी शहरों का यही हाल है। यही वजह है कि आज हर एक घंटे में भारत के सिर्फ शहरों में 150 से लेकर 180 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं।

नागरिक सुविधाओं का अभाव

देश में बड़े शहर तेजी से फैल रहे हैं, जहां स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, कचरा प्रबंधन, सीवर और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं हर किसी के लिए नहीं हैं। सिर्फ कुछ लोगों के लिए ही हैं। शहरों की कुछ कालोनियों में ही नियमित रूप से साफ पानी आता है, सड़कें सपाट और चौड़ी हैं, स्कूल, अस्पताल आदि की सुविधाएं हैं। जबकि शहरों के बड़े हिस्से इन सुविधाओं से वंचित हैं। यही कारण है कि नागरिक सुविधाओं के नजरिए से देश के बड़े शहरों में पर्यावरणीय संकट भी विकट है। पिछले दो दशकों में लाखों की तादाद में पेड़ काटे गए हैं। बस्तियों के बीच मौजूद तालाब, नाले आदि सब पाट दिए गए हैं। शहरों के बीच से बहने वाली नदियों को सीवर में तब्दील कर दिया गया है। यही कारण है कि देश के बड़े शहर, वायु प्रदूषण, जल भराव, हीट वेव और घटते भू-जल स्तर की समस्याओं से दो चार हैं।

जीवन की गुणवत्ता में गिरावट और तनाव

देश के शहरों में आम लोगों का जीवन जिंदगी की गुणवत्ता से जंग कर रहा है। बहुसंख्यक शहरी लोगों के जीवन में मजबूत सामाजिक संबंध नहीं रहे। समय और जगह की कमी है। मानसिक बीमारियों का रेला है और खालीपन व असुरक्षा का लगातार घेरा बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण लोगों के आम जीवन में जबर्दस्त सामाजिक तनाव और असमानता व्याप्त है। कुल मिलाकर भारत में पिछले चार दशकों में जनसंख्या का जो तेज शहरीकरण हुआ है, उसके कारण हमारे शहरों की व्यवस्था को बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है। *

कोठरियों में रहते लोग

यूं तो हर शहर में कुछ चमचमाती हुई इमारतें होती हैं, कुछ बड़े-बड़े बंगले होते हैं। लेकिन शहरों का 70 से 75 फीसदी हिस्सा घरों का नहीं, कोठरियों या छोटे-छोटे दड़बों का जंगल बन गया है। मध्यम और निम्न वर्ग के लिए सस्ते घरों में गरिमामय आवास की कल्पना नहीं की जा सकती। मुंबई में तो 250 से 300 फीट के एक कमरे वाले फ्लैट लेना भी सपने जैसा हो चुका है, क्योंकि ये छोटे-छोटे दड़बे भी 40 से 50 लाख रुपए के मिलते हैं। भारत के लगभग सभी शहरों में प्राइवेट बिल्डर फ्लैट्स और कॉलोनियों की भरमार है, जहां रहने के लिए आवास को गरिमामय बनाने का कोई मापदंड नहीं है। यहां झुग्गियां, किराए के लिए मकान और अनधिकृत कॉलोनियों की अंतहीन रेंज हैं। दिल्ली में 80 से 90 लाख लोग अनधिकृत कॉलोनियों में और 30 से 35 लाख लोग झुग्गी बस्तियों में रहते हैं। जहां लोगों को न तो भावनात्मक सुरक्षा है और न ही मनोवैज्ञानिक निजता।

बदलाव / नरेंद्र शर्मा

इसमें संदेह नहीं कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में एआई की घुसपैठ बढ़ रही है। साहित्य, संगीत और कला में भी इसकी एंट्री हो चुकी है। लेकिन लाख कोशिश के बाद भी इससे निर्मित आर्ट प्रोडक्ट, हमारे मन को स्पर्श नहीं कर पाता है।

मन को नहीं छू पाता एआई का आर्ट प्रोडक्ट

आज पूरी दुनिया में इस आशंका का सवाल गहराता जा रहा है कि क्या एआई, कला से उसकी स्वाभाविक कल्पनाशीलता, मौलिकता और कलात्मकता छीन रही है? दरअसल, कला का मूल स्वभाव सृजन है। ऐसा सृजन, जो व्यक्ति की भावनाओं, संवेदनाओं, अनुभवों और कल्पनाओं से उपजता है। चित्रकला, संगीत, साहित्य, मूर्तिकला या रंगमंच। ये सभी विद्याएं मानवीय कल्पना शक्ति का विस्तार हैं। विविध रूपीय विस्तार। लेकिन अब एआई द्वारा कुछ ही सेकेंड में चित्र बनाए जा रहे हैं, कहानियां लिखी जा रही हैं, संगीत रचा जा रहा है, तो क्या ये सारी एआई से पैदा होने वाली कलाएं उस मानवीय कल्पनाशीलता की बराबरी करती हैं? यह सवाल इसलिए भी जरूरी है कि अगर वास्तव में ऐसा होता है तो लगता है कि आजतक के मानव विकास क्रम को मशीन यानी एआई ने एक झटके में अर्थहीन कर दिया है। लेकिन यह सोचना सही नहीं है।

भावनाहीन होते हैं एआई प्रोडक्ट: एआई टूल हजारों पुराने चित्रों के डेटा के आधार पर नई पेंटिंग क्षणभर में बना दे रहे हैं। आप अगर इन एआई टूल्स से कहते हैं कि एक महिला जो समुद्र की लहरों से बनी है और जिसकी आंखों में तारे झिलमिला रहे हैं, ऐसी पेंटिंग बनाओ तो ये टूल्स एक क्षण में यह पेंटिंग्स बना करके हाजिर कर देंगे। लेकिन क्या ये पेंटिंग्स उस कलाकार की पेंटिंग जैसी होगी, जो समुद्र किनारे अपना पेंटिंग स्टैंड लगाए घंटों लहरों से आंखमिचौली करते हुए अपनी कल्पना में रंग भरता है। जी नहीं, बिल्कुल नहीं होगी। इस कलाकार की पेंटिंग्स में जो कलाकृति उभर कर आएगी, वह भावनाओं से संवाद करेगी। एआई की कल्पना ऐसा नहीं कर सकती। कलाकार की बनाई गई पेंटिंग संभावनाओं का आंकड़ा नहीं होगी, क्योंकि वह पहले से दुनिया में मौजूद किसी पेंटिंग की प्रतिकृति नहीं गढ़ रहा होगा, उसके मन में एक नई ही छवि मूर्तवत हो रही होगी, जो पहले नहीं होगी। जिसकी आंखों में कलाकार की भावनाएं, संवेदनाएं सब कुछ बोल रही होंगी। लेकिन एआई को यह सब नहीं करना। उसे अपने डाटा स्टोर में मौजूद आंकड़ों के मेल से एक नई फोटो कॉपी भर गढ़नी है। फर्क सिर्फ इतना होगा कि एआई किसी एक कलाकृति की बजाय बहुत सी कलाकृतियों को आपस में मिक्स करके उनसे एक नई कलाकृति निर्मित करने का भ्रम भर रचेगा। इसलिए कहा जा सकता है कि एआई कला का पुनरोत्पादन तो कर सकता है पर कला सृजन नहीं कर सकता। इसलिए एआई कलाकारों से उनकी कल्पनाशीलता नहीं छीन सकता।

अनुभूति को नहीं दे सकता शब्द: अब जीपीटी मॉडल हिंदी और अंग्रेजी में आदेश पर कविताएं लिख रहे हैं। मसलन, आप उनसे कहें एक प्रेम कविता लिखो, जिसमें बारिश भी हो, मन का उल्लास भी हो, तारे सितारे छूने की कल्पनाशीलता भी हो, तो वह शब्दों के उस ढांचे में जिसे कविता कहना कहीं से उचित नहीं होगा, में डाल तो देगा, लेकिन वे शब्द कभी दिल को नहीं छुएंगे। यह एक किस्म की मशीनी शब्द उत्पाद होगा। ऐसी कविता न कवि को खुशी देगी और न ही कविता सुनने वालों को कहीं से प्रेरित कर सकेगी। अगर यही प्रेम कविताएं होंगी, तो फिर कविता का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। इसलिए एआई कुछ भले कर लें या चाहे करता दिखे, लेकिन वह न तो इंसानी भावनाओं की नकल कर सकता है और न ही इंसानी अनुभूति को शब्द या कैनवास में उतार सकता है। एआई के लिए बारिश एक गतिविधि भर है और किसी कवि या कलाकार के लिए बारिश एक समूचा जीवन है, जीवन धड़कन है और उसकी एक-एक बूंद पर उसकी लाखों अनुभूतियों का बसेरा हो सकता है। कवि या कलाकार की रचना केवल शब्दों या रंगों का संगठन भर नहीं होगा, वो अनुभूति की एक जीवंत दुनिया होगी। इसलिए एआई कितनी भी तेज रफ्तार से कला की प्रतिकृतियां रचने में चौंका रहा हो, पर कभी दिल और दिमाग को झंकृत नहीं कर पाएगी।

बनी रहेगी कला की जीवंतता: एआई के बारे में यही बात संगीत रचना, थिएटर और अभिनय आदि पर भी लागू होती है। एआई का कोई टूल किसी रंगमंच के अभिनेता की जगह नहीं ले सकता। एआई की सजगता, उसकी मशीनी चातुरी कभी किसी नाटक की स्क्रिप्ट की जगह नहीं ले सकती। एआई कला से या कलाकारों से उनकी कल्पनाशीलता या जीवंतता की अनुभूति कभी नहीं छीन सकती। *

सही नहीं हर बात पर साधे रहना चुप्पी

जिस तरह बेवजह और जरूरत से ज्यादा बोलना सही नहीं होता, उसी तरह जरूरत के समय ना बोलना या हमेशा चुप्पी साधे रहना भी नुकसानदेह होता है। इस मामले में सोच-समझकर एक संतुलन की जरूरत होती है।

जीवनशैली
भूपेंद्र भारतीय

मानव जीवन की सबसे सुंदर विशेषता है, उसे ईश्वर द्वारा मिली अभिव्यक्ति की शक्ति। अभिव्यक्ति को एक शक्ति ही माना जाना चाहिए, जो इस ब्रह्मांड में सिर्फ मानव को पूर्ण रूप में मिली है। लेकिन क्या हम अभिव्यक्ति की इस शक्ति का सही उपयोग कर पाते हैं? यह प्रश्न हमें स्वयं से पूछना चाहिए।

हो सकती हैं कई समस्याएं: सामान्य तौर पर अपनी बात कहना या फिर कुछ बोलना ही अभिव्यक्ति करना कहा जाता है। वहीं कुछ नहीं बोलना मतलब चुप रहना। हालांकि किसी मामले में चुप रहना भी अभिव्यक्ति का ही एक रूप माना जाता है, लेकिन जब जरूरत हो तब अपनी बात, विचार व्यक्त न करना, कई पारिवारिक और सामाजिक समस्याओं को जन्म दे सकता है। यही नहीं हमेशा चुप्पी साधे रखना मानसिक रोग की भी वजह बन सकती है। हर इंसान के जीवन में ऐसे अवसर अकसर आते रहते हैं, जब उसे चुप रहना पड़ता है। लेकिन क्या हमेशा चुप रहना, उसके आस-पास के परिवेश के लिए उचित होता है? यह प्रश्न ही यहां सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण है, जो चुप्पियों को जन्म देता है। ऐसी चुप्पियां हमें भारी नुकसान पहुंचाती हैं। हमें अंदर से धीरे-धीरे तोड़ती जाती हैं। हमें पल-पल कमजोर करती रहती हैं। सच्चाई यह है कि जरूरत से ज्यादा चुप्पियां, हमें प्रतिपल दीमक की तरह खोखला करती रहती हैं।

हमेशा ना रहें खामोश: प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'पंच परमेश्वर' का प्रसिद्ध कथन है, 'क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगे?' यह कथन उचित समय पर चुप्पियों को तोड़ने का बल देता है,

वहीं यह संदेश भी देता है कि सही बात को बोलना ही चाहिए। भले ही छोटा-मोटा बिगाड़ हो जाए। लाख कोशिशों के बाद भी, एक न एक दिन कितनी भी बड़ी चुप्पी हो उसे तोड़ना ही पड़ता है, नहीं तो वह चुप्पी आपको तोड़ देगी।

हो सकते हैं महाविनाश: चुप्पी के कारण महाभारत जैसे युद्ध तक हो सकते हैं। दुर्योधन और दुःशासन के अनाचार के समय अगर भीष्म, द्रोणाचार्य और धृतराष्ट्र समेत दरबार में उपस्थित अन्य लोगों ने चुप्पी तोड़ दी होती, अनाचार को रोकने के लिए आवाज उठाई होती तो महाभारत कभी नहीं होता। इसी तरह धर्मराज युधिष्ठिर ने अपनी माता कुंती को महाभारत युद्ध के बाद कहा था, 'माता, कर्ण से जुड़ा सत्य आपने छुपाकर बहुत बड़ी गलती कर दी।'

चुप्पी साधने के कारण: चुप्पी साधने के अनेक कारण हो सकते हैं। हम डरते हैं कि हमारे बोलने से कोई नुकसान ना हो जाए। वह फिर मानव संबंधों का मामला हो या फिर सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक आदि से जुड़े मामले हों। हमारे सत्य बोलने से किसी को बुरा लग सकता है और हम अपने संबंधों को बिगाड़ना नहीं चाहते, किसी को नाराज नहीं करना चाहते। वास्तव में सत्य डरावना या फिर बुरा नहीं होता है। लेकिन हम सत्य की सुंदरता देख नहीं पाते। इसी सत्य की शक्ति के स्वरूप हजारी प्रसाद द्विवेदी अपने प्रसिद्ध उपन्यास 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में लिखते हैं, 'सत्य के लिए, किसी से भी न डरना, गुरु से भी नहीं, मंत्र से भी नहीं, लोक से भी नहीं, वेद से भी नहीं।' यह डर ही हमको बहुत सी बातें ना कहने के लिए विवश करता है कि चुप रहो। यह चुप रहना ही धीरे-धीरे चुप्पियों का बड़ा रूप ले लेता है और हमारे अंदर डर का एक मकड़जाल बन जाता है। हम यथार्थ से भागने लगते हैं।

बढ़ रही हैं जीवन में चुप्पियां: वर्तमान दौर में मोबाइल और इंटरनेट जैसी तकनीकी ने भी हमें चुप्पी और संवादहीनता की ओर बढ़ाया है। परिवार में हर कोई इन्हीं में व्यस्त रहता है। जहां संवाद नहीं वहां जीवन और समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। प्रसिद्ध संत तरुण सागर कहते हैं, 'समाज, परिवार और आपसी संबंधों से कभी संवाद बंद मत करो। जिस दिन आपने संबंधों में बोलना बंद किया, उस दिन से आपके संबंध धीरे-धीरे टूटना शुरू हो जाएंगे। इसलिए बोलना कभी बंद मत करना।' *

गजल
वसीम अहमद

करार आने लगा है

जो कुछ-कुछ एतबार आने लगा है
तो इस दिल को करार आने लगा है
जैसे-जैसे है उनसे अपनत्व जागा
मुसलसल उनपे प्यार आने लगा है
कि जब से घर में दर्पण आ गया है
उन्हें करना सिंगार आने लगा है
परस्पर दिल्लगी जब से बढ़ी है
तो रिश्तों में सुधार आने लगा है
हूं जब से उनको अपना मान बैठा
मेरे दिल को करार आने लगा है।
निगाहों को निगाहें पढ़ रही हैं
मुसलसल एतबार आने लगा है

व्यंग्य
सूर्यकुमार पांडेय

जिनका काम सूखी तनख्वाह से चल जाता हो, वे फिक्र न करें! किंतु जो सतत सेविंग में विश्वास रखते हैं, निलंबन उनके लिए राजकीय वरदान है। इसीलिए मूरख रोते हैं और ज्ञानी फरमाते हैं, काम विलंबित करो, निलंबित हो जाओ! फिर कोई और पार्ट टाइम कमाई वाला काम करो।

निलंबन में मजा है

वह सरकारी काम, काम नहीं होता, जो लंबित न रहे और वह सरकारी अफसर, अफसर नहीं, जो नौकरी में एक-दो बार निलंबित न रहे। सस्पेंड होना बुरा नहीं है। बुरा होता है, निलंबित होकर फटाफट बहाल हो जाना। निलंबित हुए बिना महंगाई भत्ता, नगर प्रतिकर भत्ता आदि बहुत सारे भत्ते मिल सकते हैं, मगर निलंबन भत्ता नसीब नहीं हो सकता।

जिनका काम सूखी तनख्वाह से चल जाता हो, वे फिक्र न करें! किंतु जो सतत सेविंग में विश्वास रखते हैं, निलंबन उनके लिए राजकीय वरदान है। इसीलिए मूरख रोते हैं और ज्ञानी फरमाते हैं, काम विलंबित करो, निलंबित हो जाओ! फिर कोई और पार्ट टाइम कमाई वाला काम करो। मेरे एक डॉक्टर मित्र हैं। अपने सीनियर अफसर से जान-बूझकर पंगा ले बैठे। सस्पेंड हो गए। अब शान से प्राइवेट प्रैक्टिस झाड़ रहे हैं। विभाग ने हर मुमकिन कोशिश की कि वह बहाल हो जाएं, वह खुद ही मुकर गए। सस्पेंशन रस का स्वाद उनके मुंह लग चुका है।

वह जानते हैं, सरकार दयालु है। एक-न-एक दिन पाई-पाई जोड़कर बुढ़ापे के वक्त उनकी चारपाई पर धर जाएगी। अब वह अपने उसी सस्पेंडक सीनियर अफसर को मासिक रूप से बंधी रकम पहुंचाते हैं। इसलिए नहीं कि बहाल हो जाएं, बल्कि इसलिए कि निलंबन बरकरार रहे। इस भांति दोनों सुखी और संपन्न हैं। डॉक्टर साहब की प्राइवेट प्रैक्टिस चल रही है, बड़े साहब की पब्लिक प्रैक्टिस। पारस्परिक सद्भावना सुदृढ़ है। जनसेवा और राजसेवा साथ-साथ चलायमान हैं।

मेरे एक और मित्र बड़े अफसर हैं। ऊंची पकड़ के चलते बरसों से एक ही जिले में अटके हुए हैं। उनके पास तरह-तरह के तिकड़मी डंडे हैं। पर वह पूरे जिले को एक ही डंडे से हांकते हैं। स्वभाव से मृदु हैं। अंदाज दोस्ताना है। मैं अकसर वार्तालाप की तलब उठने पर अपनी शामें जाया करने उनके सरकारी अजायब खाने पर पहुंच जाया करता हूं।

उस रोज गया, तो उनका चपरासी चौंकता हुआ बोला, 'अरे, आपको नहीं मालूम, अपने साहब तो हसबैंड होइ गए!'

अब चौंकने की बारी मेरी थी। मैं जानता था, साहब कुंआरे हैं। न सगाई, न न्यौता, न दावत!

यह साहब हसबैंड कब हो गए? दिमाग पर जोर डाला, तो समझ में आया कि यह साहब हसबैंड नहीं, सस्पेंड हो गए हैं। और सच भी यही है, हसबैंड ओर सस्पेंड होने में कोई खास फर्क नहीं होता। ये दोनों ही हो जाने के बाद आमदनी का एक हिस्सा किसी और की भेंट हो जाया करता है। तब कमाई के नए जरिए तलाशने ही पड़ जाते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी लघुकथाएं

अलका 'सोनी' की लघुकथाएं और कविताएं पत्र-पत्रिकाओं में छपती रहती हैं। सरल-सहज लहजे में वे जीवन की सूक्ष्म संवेदनाओं को अपने लेखन में व्यक्त करती हैं। हाल में छपकर आए उनके लघुकथा संग्रह 'हवा में बनती हैं नई जगहें' की लघुकथाओं में भी इसकी बानगी देखी जा सकती है। 'टूटा तारा' लघुकथा के जरिए लेखिका ने शहरी जीवनशैली की विडंबनाओं और उसके फलस्वरूप नई पीढ़ी की प्रकृति से बढ़ती दूरी को मार्मिक तरीके से उभारा है। इसी तरह 'जिंदगी का डिस्काउंट' लघुकथा में भी आधुनिक जीवनशैली में बिसरती जा रही खुशी और अपनेपन की परिभाषा पर प्रभावी तरीके से कटाक्ष किया गया है। 'पापा का कोना' लघुकथा भी बहुत हौले से हमारी निर्जीव होती जा रही संवेदना को स्पर्श करती है। इसमें नई पीढ़ी फादर्स डे मनाने के लिए इस कदर उत्साहित होती है कि उसे पुरानी पीढ़ी के अपने पिता ही सेलिब्रेशन में मिसफिट लगने लगते हैं और उनको किसी कोने में बैठने को कह दिया जाता है। कहने की जरूरत नहीं कि ये लघुकथाएं, हमें हमारे समय का प्रतिबिंब, बगैर किसी लाग-लपेट के दिखाने में सक्षम हैं। *

पुस्तक: हवा में बनती हैं नई जगहें (लघुकथा संग्रह), **लेखिका:** अलका सोनी, **मूल्य:** 150 रुपए, **प्रकाशक:** मेधा बुक्स, दिल्ली

प्राचीन-अनूठी बादामी गुफाएं

कर्नाटक राज्य के उत्तरी भाग के बागलकोट जिले में ऐतिहासिक बादामी नगर में स्थित हैं बादामी गुफाएं और मंदिर। इन गुफाओं का न केवल पौराणिक बल्कि ऐतिहासिक महत्व भी है। इन गुफाओं में मौजूद प्रतिमाएं चालुक्य वंश की शिल्पकला का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करती हैं, जो इतिहासप्रेमी पर्यटकों को मोहित कर लेती हैं।

{ दर्शनीय स्थल / जगत नारायण भारद्वाज }

अगर आप इतिहासप्रेमी पर्यटक हैं तो आपको एक बार कर्नाटक के बादामी नगर में स्थित प्राचीन गुफाओं और मंदिरों को जरूर देखना चाहिए। इन गुफा-मंदिरों में मौजूद प्रतिमाएं, छठी-सातवीं सदी में यहां शासन करने वाले चालुक्य शासकों के दौर की उत्कृष्ट शिल्प कला का प्रमाण प्रस्तुत करती हैं।

पौराणिक मान्यता: पौराणिक मान्यता के अनुसार कर्नाटक का बादामी नगर, महाभारतकालीन असुर राजा वातापी की राजधानी हुआ करती थी। पौराणिक काल के विंध्याचल पर्वत के दक्षिण में स्थित इस दंडकवन में अगस्त्य ऋषि और लोपामुद्रा वास किया करते थे। यहीं पर वातापी और इलविल दो भाई अपनी संजीवनी विद्या का दुरुपयोग करके ऋषि-मुनियों को तंग करते और कई बार उन्हें मार भी देते थे। एक बार अंजाने में इन दोनों भाइयों ने अगस्त्य ऋषि पर भी आघात करना चाहा। इस पर अगस्त्य ऋषि ने अपने तपोबल से वातापी को उदरस्थ कर नष्ट कर दिया और दंडक वन को उनके अत्याचारों से मुक्त कर दिया। तभी से इसे अगस्त्य तीर्थ भी कहा जाने लगा।

ऐतिहासिक महत्ता: सन 547-757 तक बादामी नगर, चालुक्यवंशी राजाओं की राजधानी रही है। यहां के पराक्रमी सम्राट पुलकेशिन द्वितीय ने ही उत्तर भारत के सम्राट हर्षवर्धन को पराजित किया था। इसी सम्राट पुलकेशिन के पुत्रों मंगलेश और कीर्तिवर्मन ने यहां के पर्वतों को काटकर गुफा और मंदिरों का निर्माण कराया था। वही प्राचीन गुफाएं और मंदिर, बादामी गुफाओं के नाम से प्रसिद्ध हैं।

मौजूद हैं प्राचीन प्रतिमाएं: यहां प्रमुख रूप से चार गुफाएं हैं। इन 4 गुफाओं में पहली गुफा हिंदू देवी-देवताओं को समर्पित है, जिसे नटराज गुफा कहा जाता है। इसमें अर्धनारीश्वर, हरिहर रूप और 18 भुजाओं वाली नटराज की प्रतिमा है, जो देश में अन्यत्र नहीं है। नटराज की मूल प्रतिमा, जो तमिलनाडु के चिदंबरम में है, में भी 16 हाथ हैं। इस गुफा में एक मूर्ति ऐसी भी है, जिसे एक ओर से ढंकने पर हाथी और एक ओर से ढंकने पर नंदी की प्रतिमा दिखाई देती है। इन गुफाओं की एक विशेषता यह भी है कि यहां पर प्रतिमाओं के साथ ही शिल्पकारों के नामों को भी उकेरकर उन्हें अमर कर दिया गया है।

एक अन्य गुफा भगवान विष्णु को समर्पित है। इस गुफा में भूदेवी के साथ वराह और वामन अवतार की विशाल प्रतिमाएं बनी हैं। समुद्रमंथन, कृष्णलीला और अन्य पौराणिक आख्यानों के दृश्य भी बहुत सुंदरता से इस गुफा में उकेरे गए हैं। गुफाओं के विशाल स्तंभों पर सुंदर और महीन कलात्मक कारीगरी की गई है। ये कलाकारी इतनी मोहक है कि जिन्हें स्थानीय साड़ियों के निर्माता भी ऐसी डिजाइन की साड़ियां बनवाते हैं। गुफा की ऊपरी छत पर ऐसे स्वास्तिक बने हैं, जिनका प्रारंभ और अंत का भी आभास नहीं होता है। आपने शेषनाग पर शयन करते भगवान विष्णु की प्रतिमा तो देखी होगी लेकिन शेषनाग पर विराजित भगवान विष्णु की प्रतिमा आप यहीं पर देख पाएंगे। यहां 578 ईसवी में निर्मित कन्नड़ लिपि में लिखा गया एक शिलालेख भी है। इसमें मंगलेश द्वारा एक गांव को दान में दिए जाने का उल्लेख है। तीसरी गुफा भी भगवान शिव को समर्पित की गई है। जबकि चौथी गुफा में जैन तीर्थंकरों की विशाल मूर्तियां बनी हैं। इसमें भगवान वर्धमान, महावीर, पार्श्वनाथ तथा बाहुबली की सुंदर प्रतिमाएं सुशोभित हैं।

कुछ ऐसे प्रमाण भी मिलते हैं कि चालुक्य वंश के शासकों ने पहले शैव, वैष्णव और फिर जैन पंथ को अपनाया। इसीलिए इन गुफाओं में इनकी प्रतिमाएं देखने को मिलती हैं। यह प्राचीन काल में धार्मिक समन्वय का सशक्त उदाहरण है। शाम के समय में इन गुफाओं की शोभा देखते ही बनती है। इन गुफाओं के कारण ही बादामी नगर विश्व में प्रसिद्ध हुई है। यह स्थल पुरातत्व विभाग के संरक्षण में है।

अन्य दर्शनीय स्थल: इन बादामी गुफाओं के नीचे अगस्त्य तालाब के दाहिनी ओर आगे चलने पर खंडहरों के प्रतीक आज भी मिलते हैं। यहां पर अनेक चलचित्रों का फिल्मांकन भी हुआ है। गुफाओं के नीचे आने पर अगस्त्य तालाब के किनारे प्राचीन सूर्य मंदिर है। तालाब के एक कोने पर भगवान शिव को समर्पित द्रविड़ शैली में बना भूतनाथ मंदिर समूह है, जिसे 7वीं सदी में बादामी चालुक्यों द्वारा बनवाया गया था। यहां 12वीं सदी में कल्याणी चालुक्यों द्वारा मल्लिकार्जुन मंदिर समूह का निर्माण कराया गया था। भगवान विष्णु और शिव को समर्पित यह मंदिर भी पर्यटकों को आकर्षित करता है। इनके निर्माण की शिल्पकला में स्पष्ट अंतर देखा जा सकता है। पास में ही एक भैरव मंदिर है, जिसकी चट्टान पर कई पौराणिक चित्र उकेरे गए हैं। यहीं से चार किमी की दूरी पर बादामी चालुक्यों की कुलदेवी बनशंकरी देवी का मंदिर है, जिसे मां पार्वती का अवतार माना जाता है। इसकी स्थापना अगस्त्य ऋषि ने की थी। मंदिर के पास में ही दर्शनार्थियों के ठहरने की व्यवस्था भी है। यहां गर्मी के मौसम को छोड़कर पूरे वर्ष में कभी भी जाया जा सकता है। *

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / अतुल मलिकराम }

फील्ड कोई भी हो, बतौर टीम लीडर काम करने की ख्वाहिश प्राय: सभी को होती है। लेकिन टीम लीडर के रूप में सक्सेसफुल होने के लिए अपने काम में एक्सपर्ट होने के साथ ही आपके अंदर कुछ लीडरशिप क्वालिटीज का होना भी जरूरी है। क्या हैं वो क्वालिटीज, जानिए।

ये क्वालिटीज बनाएंगी सक्सेसफुल टीम लीडर

महात्मा गांधी की इस उक्ति 'आप खुद के भीतर वह बदलाव लाएं, जो आप लोगों में देखना चाहते हैं।' को अच्छे लीडरशिप के सबसे महत्वपूर्ण गुणों में से एक के रूप में व्याख्यायित किया जा सकता है। एक अच्छे लीडर में कुछ मूलभूत गुणों का होना आवश्यक है। आत्मविश्वास, संचार कौशल, दूरदर्शिता, निर्णय क्षमता, ईमानदारी आदि गुणों की अपेक्षा एक टीम लीडर से की जाती है। एक अच्छा लीडर ऐसे निर्णय लेता है, जो उसकी टीम या संगठन के हित में हो।

पॉजिटिव एटिट्यूड: एक टीम लीडर के रूप में जरूरी है कि आप अपना एटिट्यूड हमेशा पॉजिटिव रखें। आप अपने टीम मेंबर्स को आगे बढ़ने में हमेशा मदद करें। आपके डिसिजंस ऐसे होने चाहिए, जिसे आपकी टीम बेझिझक स्वीकार करती हो। एक अच्छे टीम लीडर के रूप में आपको अपनी टीम की हर जरूरत की जानकारी होनी चाहिए। साथ ही टीम मेंबर्स के हार्ड वर्क और अचीवमेंट्स के लिए उन्हें रिवॉर्ड भी जरूर देना चाहिए। एक टीम लीडर के रूप में विश्वास रखें कि आपकी टीम मजबूत है, यहां हर कोई अपनी भूमिका अच्छे से निभाना जानता है और अपना टार्गेट अचीव करने की क्षमता रखता है।

बढ़ाएं टीम मेंबर्स का हौसला: एक अच्छे टीम लीडर को चाहिए कि वह अपने टीम मेंबर्स को, अपने कुलीग्स को हमेशा मोटिवेट करता रहे। आगे बढ़कर नेतृत्व करने का गुण या सार्थक नेतृत्व हमेशा ही लीडर की परछाई के समान साथ-साथ चलता है। एक लीडर के रूप में आपका पॉजिटिव बिहेवियर और लीडरशिप टीम मेंबर्स को अधिक गहराई से और पूरी तरह से बदलने की ताकत रखता है। यदि आप चाहते हैं कि आपकी टीम अधिक सकारात्मक हो, तो सबसे पहले आपको सकारात्मक रवैया अपनाना होगा। यदि आप चाहते हैं कि टीम मेंबर्स अपने काम को बिना किसी गलती के बेहतरी से पूरा करें, तो आपको उनके ऊपर विश्वास रखना होगा और उनके भीतर आत्मविश्वास जगाना होगा। उनकी कम्युनिकेशन स्किल्स और अपीयरेंस आदि पर विशेष तौर पर ध्यान दें और बेझिझक उन्हें सही सलाह देते रहें। साथ ही आपको चाहिए कि आप उनकी मदद करें और उनका हौसला बढ़ाते रहें।

स्वयं बनें उदाहरण: अगर आप चाहते हैं कि आपके टीम मेंबर्स समय से कार्यस्थल पर आएं और अपना हर काम समय पर पूरा करें, तो पहले आपको स्वयं समय से पहले या समय से वर्कप्लेस पर आने की आदत डालनी चाहिए। आप उन्हें वक्त की पाबंदी के फायदे बताएं। अपना और अपनी सफलता का उदाहरण देकर उन्हें समझाएं। याद रखिए, सफल नेतृत्व के तीन सबसे कारगर सिद्धांत हैं- उदाहरण, उदाहरण और उदाहरण। आप अपनी टीम के लिए कितना बड़ा और प्रभावी उदाहरण बन सकते हैं या पेश कर सकते हैं, यह आप पर निर्भर करता है। लेकिन यकीन मानिए, आपके ऐसा करने का आपकी टीम पर बहुत पॉजिटिव इफेक्ट पड़ेगा। *

{ चिंता / के.पी. सिंह }

विलुप्ति की कगार पर सोन चिरैया

सोन चिरैया यानी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, भारत के समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा रही है। यह पक्षी मुख्य रूप से राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात के कच्छ क्षेत्र में और कर्नाटक व आंध्र प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में पाए जाते हैं। कभी बहुतायत में पाई जाने वाली सोन चिरैया धीरे-धीरे लुप्त होने की कगार पर है।

अनोखी शारीरिक संरचना: सोन चिरैया का वैज्ञानिक नाम 'अर्देवोटिस निग्रिसेप्स' है। इसे हिंदी में सोन चिरैया, मराठी में माढोक और राजस्थानी में गोडावण कहते हैं। सोन चिरैया लगभग एक मीटर ऊंची होती है, इनमें नर का वजन आमतौर पर 11 से 15 किलो होता है, जबकि मादा 4 से 7 किलो की ही होती है। इसके सिर के ऊपरी भाग में एक काली टोपी नुमा संरचना होती है। गर्दन स्पष्ट रूप से भूरे रंग की होती है। यह मानसून के दौरान प्रजनन करती है। नर सोन चिरैया में प्रजनन काल के दौरान गले पर पाउच जैसी संरचना उभर आती है। नर, मादा को बुलाने के लिए अपने पाउच से एक विशेष किस्म की आवाज निकालता है। सोन चिरैया सुबह और शाम के समय सक्रिय रहती है। दिन के समय यह प्रायः निष्क्रिय रहती है।

अत्यंत संकटग्रस्त: चिंताजनक बात यह है कि गीतों, कविताओं और लोककथाओं की शान रही भारत की यह खास चिड़िया लुप्त होने की कगार पर पहुंच गई है। आईयूसीएन की रेड डाटा लिस्ट में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड को अत्यंत संकटग्रस्त प्रजाति की श्रेणी में रखा गया है।

लुप्त होने के कारण: सोन चिरैया के लुप्त होने के अनेक कारण हैं। पहले इसका आवास घास के मैदानों और खेतों के बीच होता था, लेकिन अब घास के मैदान और खेत कम होने से इसके आवास की समस्या पैदा हो गई है। एक कारण यह भी है कि यह साल में केवल एक अंडा देती है और उसे भी जमीन पर देती है, जिसे आमतौर पर कुत्तों, लोमड़ियों या अन्य पशुओं द्वारा नष्ट कर दिया जाता है। अपनी कमजोर दृष्टि के कारण ये कांटों, बिजली के तारों आदि में फंसकर मरे जाते हैं।

संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयास: सोन चिरैया के संरक्षण के लिए आईयूसीएन, केंद्र एवं राज्यों द्वारा विभिन्न स्तरों पर अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। मसलन, इसके शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। जैसलमेर के सुधासरी और रामदेवरा में इन्हें सुरक्षित आवासों में रखकर प्रजनन करवाया जाता है। इन सबके अलावा एनजीओ, वैज्ञानिक और स्थानीय समुदाय के लोग भी सोन चिरैया के संरक्षण के लिए प्रयासरत हैं। *

{ लाइफस्टाइल / शिखर चंद जैन }

बेहतर शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। इसीलिए दुनिया भर में लोग अच्छी नींद के लिए तरह-तरह की तरकीबें अपनाते हैं।

अच्छी नींद के लिए अजब-गजब उपाय

कई शोध ऐसे हो चुके हैं, जिनमें अच्छी नींद को मानसिक और शारीरिक सेहत के लिए बेहद जरूरी बताया गया है। अच्छी नींद के लिए चिकित्साविज्ञानी तरह-तरह के उपाय भी बताते रहे हैं, जैसे अंधेरे कमरे में सोना, ठंडे बेडरूम में सोना, बेड टाइम पर स्क्रीन से दूर रहना, रेग्युलर एक्सरसाइज करना आदि। लेकिन इन सब से हटकर दुनिया के विभिन्न देशों में लोग अच्छी नींद के लिए कुछ अलग तरह के उपायों को भी अपनाते हैं।

सोने से पहले पैर धोना: चीन में अच्छी, लंबी और गहरी नींद के लिए लोग गर्म पानी में पैर डुबोते हैं और एक्सफोलिएशन भी करते हैं। इससे हाइजीन के साथ-साथ ब्लड सर्कुलेशन भी दुरुस्त होता है और ब्लड वेसल्स भी ब्लॉक नहीं होती हैं। पैर गर्म रहने और बॉडी टेंपरेचर कम होने से नींद जल्दी आती है। यहां कुछ लोग फुट मसाज और स्पा ट्रीटमेंट लेते हैं। अरोमाथेरेपी लेते हैं और पैरों में गरम तौलिया भी लपेटते हैं। इससे उनकी दिन भर की थकान दूर हो जाती है और सुकून की नींद आती है।

कपल्स लेते हैं स्लीप डाइवोर्स: अमेरिका में अच्छी नींद के लिए कपल्स स्लीप डाइवोर्स का आइडिया अपनाते हैं। इसके तहत पार्टनर अलग-अलग बेड पर सोते हैं। कई कपल तो अलग-अलग रूम में भी सोते हैं ताकि नींद में खलल न पड़े।

पेट्स के साथ सोना: एक सर्वे के मुताबिक कनाडा के डॉग ऑनर्स में से कम से कम 75 फीसदी लोग अपने कुत्ते के साथ बेडरूम में सोना पसंद करते हैं, जबकि बिल्ली पालने वालों में से कम से कम 50 फीसदी लोग बिल्लियों को साथ लेकर सोते हैं। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूके में कम से कम 65 फीसदी लोग अपने पालतू के साथ सोते हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि अपने पालतू पशुओं के साथ सोने से अच्छी और बेफिक्र नींद आती है। यूनिवर्सिटी आफ टोरंटो में इवोल्यूशनरी एंथ्रोपोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डेविड सैमसंग कहते हैं कि डॉग का साथ इंसान को सुरक्षा का एहसास देता है। यही वजह है कि अपने पेट डॉग के साथ लोग निश्चिंत और बेफिक्र होकर सोते हैं।

तकिए के नीचे डॉल रखकर सोना: ग्वाटेमाला में पुरानी परंपरा है कि लोग अपने तकिए के नीचे एक छोटी-सी डॉल रखकर सोते हैं, जिसका नाम है- वरी डॉल। मान्यता है कि वरी डॉल लोगों की चिंता या डर को दूर करती है। इससे उन्हें काफी कंफर्ट महसूस होता है। कई मनोवैज्ञानिकों और स्लीप एक्सपर्ट्स द्वारा किए गए अध्ययन में पता चला है कि इन वरी डॉल्स की उपस्थिति से लोगों का एंजायटी लेवल काफी कम हो जाता है, जिससे उन्हें अच्छी नींद आती है। *

हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में मैडी के नाम से पॉपुलर एक्टर आर. माधवन की रोमांटिक फिल्म 'आप जैसा कोई' 11 जुलाई को रिलीज हो रही है। इस अलग-सी रोमांटिक फिल्म को उन्होंने क्यों एक्सेप्ट किया? इसके लिए उन्हें कैसी तैयारियां करनी पड़ीं? इस फिल्म, करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातें आर. माधवन से।

मनोरंजन का कामयाब जरिया बन गया है ओटीटी: आर. माधवन

{ मुलाकात / पूजा सामंत }

आर. माधवन हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में समान रूप से एक्टिव हैं। वे एक अच्छे एक्टर होने के साथ-साथ सहज, मिलनसार और डाउन टु अर्थ इंसान भी हैं। वर्ष 2001 में रिलीज 'रहना है तेरे दिल में' बतौर लीड एक्टर माधवन की पहली हिंदी फिल्म थी। हमेशा चुनिंदा फिल्मों में नजर आने वाले माधवन, नेटफ्लिक्स की रोमांटिक फिल्म 'आप जैसा कोई' में फातिमा सना शेख के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म को निर्देशित किया है विवेक सोनी ने। पेश है आर. माधवन से इस फिल्म और करियर पर हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

आपकी फिल्म 'आप जैसा कोई' रिलीज हो रही है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताइए। इस रोमांटिक फिल्म को करने के पीछे क्या वजह रही?

लेखक-निर्देशक विवेक सोनी ने जब मुझे फिल्म की कहानी सुनाई तो मुझे इस प्रेम कहानी का अनोखापन बहुत पसंद आया। प्रेम के रिश्ते में लड़का-लड़की दोनों एक ही लेवल पर होते हैं। न लड़का खुद को ग्रेट समझे, न लड़की। यह इक्कीसवीं सदी की प्रेम कहानी है। बिल्कुल इस दौर की कहानी। प्रेम के रिश्ते में लड़की अगर प्यार की पहल करे तो क्या बुराई है? फिल्म का हीरो यानी मैं संस्कृत सिखाने वाला प्रोफेसर हूं। मेरी शादी 40 की उम्र तक नहीं होती है। मेट्रीमोनियल वेबसाइट पर मेरी मुलाकात एक युवती (फातिमा सना शेख) से होती है, जो काफी मॉडर्न खयालात की है। उसे मेरे घर के लोग मना कर देते हैं। फिर क्या होता है? क्या हमारा रिश्ता आगे बढ़ता है? इसके इर्द-गिर्द फिल्म की कहानी घूमती है। मुझे यह प्लॉट, मेरा किरदार (श्रीरेणु) सब बहुत पसंद आया।

श्रीरेणु का किरदार निभाने के लिए आपको किस तरह की तैयारियां करनी पड़ीं?

मेरी रियल एज 55 साल है। लेकिन फिल्म में मेरा किरदार श्रीरेणु 40 के आस-पास का है। मुझे अपनी उम्र से 15 वर्ष कम का दिखना था। इसके लिए मैंने जिम जाकर काफी वर्कआउट किया। स्क्रीन पर उम्र कम दिखे इसलिए मुझे अपनी दाढ़ी हटानी पड़ी, क्लीन शेव रखनी पड़ी। हालांकि मैं अपना दाढ़ी वाला लुक बदलना नहीं चाहता था। मेरे लिए यह बड़ा बदलाव था। फिल्म में मेरे कैरेक्टर की साइकोलॉजी को समझना था। कुल मिलाकर मुझे इस कैरेक्टर के लिए खुद को तैयार करने में काफी मेहनत करनी पड़ी।

'आप जैसा कोई' के एक दृश्य में आर. माधवन और फातिमा सना शेख

इस फिल्म में अधेड़ उम्र के पुरुष का प्यार दिखाया गया है। आपकी नजर में क्या समाज ऐसे प्यार को स्वीकार करता है?

समाज का क्या है, वो तो हर कंडीशन में कुछ न कुछ कहता ही रहता है। दंपति में उम्र का फासला ज्यादा हो तो दिक्कत, उम्र एक सी हो दोनों की तो भी कहने वाले कहते रहेंगे, पति-पत्नी की हाइट में बहुत फर्क हो तो भी कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना। लेकिन मेरा मानना है कि अब सामाजिक परिवर्तन हो रहा है, स्वीकार्यता बढ़ रही है।

सुना है, 'आप जैसा कोई' फिल्म की शूटिंग के दौरान आप जमशेदपुर स्थित अपने पुश्तैनी घर भी गए थे, कैसा रहा वहां जाने का अनुभव?

जमशेदपुर में मेरा जन्म हुआ था। कई वर्षों तक मेरा वहां जाना नहीं हुआ। जब इस फिल्म की शूटिंग उस इलाके (हुगली) में हो रही थी तो मैं टाइम निकालकर अपने पुश्तैनी घर जमशेदपुर गया। बचपन में जो घर मुझे बहुत बड़ा लगता था, इस बार छोटा नजर आया। जो लोग मेरे पड़ोस में थे, अब उनमें से शायद ही कोई वहां था। मैंने वहां आइसक्रीम, स्वीट्स को एंज्वॉय किया। अपने पुराने घर की ढेर सारी यादों को साथ लेकर मैं वापस आया।

आपने टीवी से डेब्यू किया था। फिर आपने साउथ, हिंदी, अंग्रेजी फिल्मों में काम किया। और अब 'आप जैसा कोई' फिल्म से आप ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एंट्री कर रहे हैं। इस बारे में क्या कहना चाहेंगे आप?

सभी जानते हैं, ओटीटी आज के दौर में मनोरंजन का बेहद कामयाब जरिया है। यहां फिल्में भी आती हैं, डॉक्यूमेंटरी सीरीज और वेब सीरीज भी। अब कलाकारों के लिए यह मायने नहीं रखता कि वे किस प्लेटफॉर्म के लिए काम करते हैं। अच्छे मौके आए तो बॉलीवुड क्या, हॉलीवुड क्या, ओटीटी क्या और टीवी क्या? किस माध्यम के लिए मैं कंटेंट बना रहा हूं यह मेकर को अहसास हो, तो वो उस माध्यम का लाभ उठाकर उम्दा कंटेंट दे सकता है। बहरहाल, मैं इस वर्ष बड़े परदे यानी सिनेमा के लिए भी काम कर रहा हूं। 'दे दे प्यार दे 2' और 'धुरंधर' मेरी दो फिल्में इसी वर्ष रिलीज होंगी। *

● मैं ये सब नहीं कर सकता

आर. माधवन इतनी अच्छी एक्टिंग कर लेते हैं लेकिन क्या कुछ ऐसे काम भी हैं, जो वह नहीं कर सकते? पूछने पर वह बताते हैं, 'मैं फूडी हूं, इसलिए डाइटिंग नहीं कर सकता। मुझे आंकड़ों से नफरत है। मैं अपने फाइनेंसियल मैटर्स को मैनेज नहीं कर सकता, मेरी पत्नी सरिता यह काम संभालती हैं। सरिता ने मुझे क्रेडिट कार्ड दे रखा है। मैं अपने जरूरी खर्चे क्रेडिट कार्ड से चला लेता हूं। कैश खोने का डर रहता है। मेरे जितने भी बैंक अकाउंट्स हैं, वो सरिता के नाम पर हैं। मेरी हमसफर के अलावा वो मेरी कैशियर, बैंक मैनेजर भी है।'